
गुरू नानक जयंती आज

दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सुविचार

कविता गाकर रिझाने के लिए नहीं समझ कर खो जाने के लिए है।
– रामधारी सिंह दिनकर

■ भोपाल, मंगलवार 24 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 157 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रकाश पर्व पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर देश और विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि गुरु नानक देव जी का दिया गया 'एक ओंकार' का संदेश मूल रूप से संपूर्ण मानवता की एकता का संदेश है। उन्होंने जातिगत भेदभाव,सामाजिक ऊंच-नीच और भेदभाव से मुक्त समाज के निर्माण पर जोर दिया। गुरु नानक देव जी ने प्रेम, करुणा और मानवता की सेवा को जीवन का आधार बनाने की शिक्षा दी। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं में 'नाम जपो, किरत करो और वंड छको' का विशेष स्थान है। उन्होंने लोगों को ईश्वर का स्मरण करने,ईमानदारी और परिश्रम से आजीविका अर्जित करने तथा अपनी कमाई दूसरों के साथ साझा करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि लंगर की परंपरा के माध्यम से गुरु नानक देव जी ने सामाजिक समानता,भाईचारे और निःस्वार्थ सेवा के मूल्यों को व्यवहार में उतारकर दिखाया।

मोदी कहीं नहीं जाएंगे, 2029 में भी लाल किले पर नजर आएंगे

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि वह कहीं जाने वाले नहीं हैं। वर्ष 2029 में भी वह लाल किले की प्राचीर पर नजर आएंगे। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सपने देखते रहें, देश के युवा,किसान,महिलाएं,श्रमिक और समाज का हर वर्ग प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा है। नितिन नवीन ने सोमवार को तेलंगाना के करीमनगर में पार्टी द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' महापदयात्रा में भाग लिया। पदयात्रा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव, प्रदेश प्रभारी सुनील बंसल सहित पार्टी के विधायक, नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी शामिल हुए। महापदयात्रा से पहले आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने नरेन्द्र मोदी को जनादेश दिया था और वह राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित सेवक के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने सेवक की अवधारणा को कभी नहीं समझा। कांग्रेस के लिए राजनीति सत्ता और विशेषाधिकार का विषय है और सत्ता केवल लूटने का एक माध्यम है, जबकि भाजपा के लिए सत्ता व्यक्तिगत लाभ नहीं,बल्कि जनसेवा का माध्यम है।

बाल-बाल बचे निर्दलीय सांसद पप्पू यादव,गड्ढे में गिरी कार

पटना। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद और कांग्रेस नेता पप्पू यादव के काफिले की एक कार कटिहार में सड़क हादसे का शिकार हो गई। इस दुर्घटना में सांसद पप्पू यादव बाल-बाल बच गए हैं। यह हादसा उस वक्त हुआ जब पप्पू यादव कटिहार के सालमारी में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। जानकारी के अनुसार,कटिहार के कदवा थाना अंतर्गत कुम्हरी पेट्रोल पंप के पास उनके काफिले के साथ सुरक्षा में चल रही पुलिस की गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी सड़क से नीचे उतर गई। इस घटना में काफिले में मौजूद एक पुलिस कर्मी को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद सांसद पप्पू यादव ने कुम्हरी से ही पूर्णिया के लिए वापस लौटना उचित समझा और अपना निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कदवा थाना की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और सड़क से नीचे उतरी दुर्घटनाग्रस्त पुलिस वाहन को बाहर निकालने की कार्रवाई की।

भारत और नेपाल के बीच 8 समझौतों के साथ सरयू-कमला एक्सप्रेस की शुरुआत

विकसित भारत और समुन्नत नेपाल' के संकल्पों को पूरा करने का ब्लू-प्रिंट है : पीएम मोदी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत बाढ़ से प्रभावित नेपाल को दीर्घकालिक विकास के लिए 24 हजार करोड़ नेपाली रुपये की विकास सहायता पैकेज देगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के बीच वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने सरयू-कमला एक्सप्रेस रेल सेवा को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन अयोध्या से जनकपुर (नेपाल) जाएगी। दोनों देशों ने साझा भविष्य को नई दिशा देने के लिए एक संयुक्त विजन डॉक्यूमेंट भी जारी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह 'विकसित भारत और समुन्नत नेपाल' के अपने-अपने संकल्पों को पूरा करने का ब्लू-प्रिंट है। इसके अलावा बनबासा में नए आईसीपी (इंट्राक्लोजर कंट्रोल) और भैरहवा,सुनाउली और दोधारा चांदनी में आईसीपी के निर्माण में प्रगति की आधारशिला रखी गई। धारचूला (भारत) और दार्चुला (नेपाल) के बीच नए सीमा पार मोटर योग्य पुल का उद्घाटन किया गया। लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना (669 मेगावाट) की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में मोतिहारी-अमलेखगंज पाइपलाइन (एमएपीएल) के द्वितीय चरण का लोकार्पण किया गया। प्रस्तावित सिलीगुड़ी-झापा पेट्रोलियम पाइपलाइन के झापा स्थित पेट्रोलियम टर्मिनल की आधारशिला रखी गई। दोनों देशों के बीच आज आठ समझौता पर भी सहमति बनी है। यह समझौते अपराध जांच,पुलिस प्रशिक्षण,नौकरशाहों के क्षमता निर्माण कार्यक्रम,आयुर्वेद और परंपरागत औषधि के क्षेत्र में सहयोग,दक्षिण एशिया उपग्रह के उपयोग हेतु उपग्रह संचार (सैटकॉम) नेटवर्क की स्थापना,सतत शहरी विकास से जुड़े तकनीकी सहयोग, स्वास्थ्य एवं दवा क्षेत्र में सहयोग और पशुधन और मत्स्य पालन विकास के क्षेत्र में सहयोग से जुड़े हैं।

बालेंद्र शाह का राष्ट्रपति भवन में हुआ औपचारिक स्वागत



नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का आज यहां राष्ट्रपति भवन में भव्य औपचारिक स्वागत किया गया। राष्ट्रपति भवन पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी अगवानी करते हुए स्वागत किया। इस दौरान बालेंद्र शाह ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी भी उनके साथ मौजूद रहे। समारोह उपरांत, प्रधानमंत्री मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने क्रमशः भारतीय और नेपाली प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से भी मुलाकात की। इस दौरान शाह ने राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। बालेन्द्र शाह अपनी पहली भारत यात्रा पर कल नई दिल्ली पहुंचे। दोनों देश अपने समग्र द्विपक्षीय संबंधों को नए सिरे से मजबूत करने,ऊर्जा,कनेक्टिविटी, रेलवे, बुनियादी ढांचे,तकनीक,मानव संसाधन विकास और जलवायु परिवर्तन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण समझौते करने की दिशा में काम कर रहे हैं। 36 वर्षीय बालेन्द्र शाह की यह पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी है। वहीं भारत दौरे पर आए नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच सोमवार को मुलाकात के दौरान दोनों देशों की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं की झलक भी देखने को मिली। प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाली प्रधानमंत्री को त्रिवेणी का जल भेंट किया,जबकि बालेंद्र शाह ने उन्हें रुद्राक्ष की माला भेंट की। दोनों नेताओं की यह मुलाकात हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता से पहले हुई। इस दौरान भारत-नेपाल संबंधों,आपसी सहयोग,व्यापार,ऊर्जा और कनेक्टिविटी समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह प्रधानमंत्री मोदी के आमंत्रण पर रविवार को दो दिवसीय भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे।

कृषि साख सहकारी समितियों के निर्वाचन की अवधि एक वर्ष बढ़ाने का निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने मंत्रि-परिषद के निर्णयों की जानकारी दी। मंत्री श्री काश्यप ने बताया कि मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के समग्र विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार और जनकल्याण के लिए 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति दी है। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन और उन्नत देशी गौवंश को बढ़ावा देने के लिए गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के क्रियान्वयन का अनुसमर्थन किया गया। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के 9 कमजोर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए अंशपूंजी सहायता के रूप में 325 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की। इसके साथ ही बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के ड्यू हो चुके निर्वाचन की अवधि एक वर्ष आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मंत्रि-परिषद ने बैठक में भारत सरकार की आरडीएसएस



योजना के पहले चरण में प्रदेश की 1,834 बसाहटों के 46 हजार से अधिक अविद्युतीकृत घरों और 54 शासकीय सार्वजनिक संस्थानों के विद्युतीकरण के लिए 193करोड़72लाख रुपये की कार्ययोजना को मंजूरी दी गई। प्रदेश में खनिज अन्वेषण नीति के क्रियान्वयन के लिए मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम लिमिटेड को क्रियान्वयन एजेंसी नियुक्त करने की भी स्वीकृति दी गई। मंत्रि-परिषद ने वेदान्त पीठ की स्थापना के अंतर्गत ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में अद्वैत लोक के निर्माण के लिए 16वें वित्त आयोग की अवधि वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 के लिए 2,278 करोड़ 99 लाख रुपये मंजूर किए हैं। इसी अवधि के लिए सामान्य प्रशासन विभाग की 23 योजनाओं को निरंतर रखने के लिए 3,059 करोड़ 7 लाख रुपये तथा मुख्यमंत्री वैवेकिक अनुदान से संबंधित योजना को जारी रखने के लिए 1 हजार 165 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रि-परिषद ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अंतर्गत गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के क्रियान्वयन का अनुसमर्थन किया है। मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के नौ घटकों में से एक घटक प्रदेश की मूल गोवंशीय नस्ल एवं भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायों के लिए पुरस्कार योजना को विलोपित कर उसके स्थान पर यह नवीन योजना लागू की गई है। मुख्यमंत्री द्वारा 3 अक्टूबर 2026 को की गई घोषणा के परिपालन में विभाग द्वारा 26 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश का मंत्रि-परिषद द्वारा अनुसमर्थन प्रदान किया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के दुग्ध उत्पादन को दोगुना से अधिक कर मध्यप्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल बनाना, गोपालकों की आय में वृद्धि करना और गिर, साहीवाल,थारपारकर एवं मालवी जैसी उन्नत देशी दुधारू गौवंशीय नस्लों का संरक्षण एवं संवर्धन करना है।

न्यायपालिका के खिलाफ अपमानजनक बयान पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

मामले में नई याचिका को लंबित अवमानना याचिका के साथ जोड़ने के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने राजनेताओं और अन्य व्यक्तियों द्वारा न्यायपालिका के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक बयान देने और न्याय प्रशासन में बाधा डालने के मामलों में कार्रवाई की मांग करने वाली नयी याचिका को ऐसी ही लंबित दूसरी याचिकाओं के साथ टैग करने का आदेश दिया। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस याचिका को जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष पहले से लंबित एक अवमानना याचिका के साथ टैग करने का आदेश दिया। नयी याचिका वकील अदिति यादव और विकास तिवारी ने दायर की है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील गौरव भाटिया पेश हुए। याचिका में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा और केरल व महाराष्ट्र की प्रदेश कांग्रेस समितियों सहित अन्य लोगों को प्रतिवादी बनाया गया है। सुनवाई के दौरान भाटिया ने न्यायपालिका की छवि धूमिल करने वाली छह प्रमुख घटनाओं का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि ये बयान और कृत्य प्रथम दृष्टया आपराधिक अवमानना की श्रेणी में आते हैं और न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डालते हैं। इन घटनाओं में सांसद महुआ मोइत्रा की एक सोशल मीडिया पोस्ट,दो अन्य सांसदों व एक पत्रकार की टिप्पणियां और हाल ही में न्यायालय रुम में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के खिलाफ एक वकील द्वारा की गई अमर्यादित टिप्पणी शामिल है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट किया कि राजनीतिक दलों को अपने मुद्दे या एजेंडा उठाने से नहीं रोका जा सकता। न्यायालय ने अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका में कई अलग-अलग और असंबंधित घटनाओं को शामिल करने पर भी सवाल उठाए और टिप्पणी की कि राजनीतिक मुद्दों को संसद में उठाया जाना चाहिए।

राज्य में गोहत्या की अनुमति नहीं,लाया जाएगा नया विधेयक : मुख्यमंत्री शुभेंदु



पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद दी जानकारी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य में गोहत्या की अनुमति नहीं दी जाएगी और इस संबंध में जल्द ही नया विधेयक लाकर कानून बनाया जाएगा। नबन्ना में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री ने यह भी ऐलान किया कि बुजुर्ग गायों के संरक्षण और देखभाल के लिए राज्य की गोशालाओं को प्रतिवर्ष एक लाख का अनुदान दिया जाएगा। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद शुभेंदु अधिकारी ने कहा, राज्य में गोमाता की हत्या नहीं होने दी जाएगी, चाहे इसकी जो भी व्याख्या की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में 1950 के पशुधन अधिनियम (कैटल एक्ट) के प्रावधानों के तहत ही कार्रवाई की जाएगी। पूछे जाने पर कि क्या बूचड़खानों (स्लॉटर हाउस) में पशुवध बंद कर दिया जाएगा,मुख्यमंत्री ने कहा कि बूचड़खाना और गोमाता पर हाथ डालना एक ही बात नहीं है। यदि बूचड़खानों के पास वैध अनुमति है, तो वे नियमानुसार कार्य कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून लागू होने के बावजूद राज्य के कुछ हिस्सों में चोरी-छिपे गोहत्या की शिकायतें मिल रही हैं, जिन पर रोक लगाने के लिए त्वरित कदम उठाए जा रहे हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व अवलोकन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। यदि कहीं छिपकर यह सब किया जा रहा है, तो उसका विवरण भेजा जाए, उसे तत्काल बंद करा दिया जाएगा। गौरतलब है कि, पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने के बाद भाजपा सरकार ने 1950 के पशुधन अधिनियम के नियमों को प्रभावी ढंग से लागू किया था। इन नियमों के अनुसार, प्रशासन की अनुमति के बिना मवेशियों का वध नहीं किया जा सकता और 14 वर्ष से कम आयु के मवेशियों के वध पर पूर्ण प्रतिबंध है। साथ ही,इसके लिए संबंधित स्थानीय प्राधिकरण या पश्चिम बंगाल के पशु संसाधन विभाग की लिखित अनुमति अनिवार्य है।

इस मामले को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी, जिस पर गत 21 मई को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार की 13 मई की अधिसूचना को बरकरार रखा था। अदालत ने स्पष्ट किया था कि वध के लिए उपयुक्त होने के प्रमाणपत्र के बिना पशुवध नहीं किया जा सकता। इसी टिप्पणी का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य में बुजुर्ग गायों के लालन-पालन और चिकित्सा उपचार के लिए गोशालाओं को हर साल एक लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

राहुल गांधी की पोस्ट पर मुख्यमंत्री डॉ.हिमंत सरमा का पलटवार

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक्स पोस्ट पर असम के मुख्यमंत्री डॉ.हिमंत बिस्व सरमा ने पलटवार किया है। बीती मध्य रात्रि को पोस्ट शेयर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि जब नए-नए धर्म अपनाने वाले लोग हमारी विरासत को खोजने की कोशिश करते हैं और उसे बिना समझे ही इस्तेमाल करने लगते हैं, तो ऐसा ही होता है। मुख्यमंत्री ने सवालिया लहजे में कहा है कि,क्या राजीव गांधी और सोनिया गांधी अब शिव और पार्वती बन गए हैं? उन्होंने कहा है कि देवी-देवताओं की नकल करने की कोशिश न करें। डॉ.सरमा ने कहा है कि अर्धनारीश्वर न तो विवाहित प्रेम की कोई तस्वीर है और न ही यह ऐसा दृश्य है जिसमें पत्नी अपने पति की गोद में बैठी हो। यह सनातन धर्म के सबसे गहरे सत्यों में से एक है- शिव और शक्ति एक ही अविभाज्य वास्तविकता हैं। ब्रह्मांड के कामकाज में चेतना और ऊर्जा,पुरुष और स्त्री को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमारी परंपराओं से कुछ भी अपनाने से पहले,कम से कम उन्हें समझने की कोशिश तो करें।

बोलने से पहले थोड़ा पढ़ भी लिया करें राहुल गांधी : भाजपा

रविशंकर प्रसाद ने कहा विदेशों में भारत को बदनाम करना बंद करें राहुल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विदेशों में भारत की छवि खराब करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनको देश की अर्थव्यवस्था पर सवाल उठाने से पहले अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टों का अध्ययन भी कर लेना चाहिए। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी को पढ़ाने वाले व्यक्ति न तो तथ्यों का अध्ययन करते हैं और न ही राहुल स्वयं तथ्यों को पढ़ते हैं। ऐसे में वे विदेश जाकर किस आधार पर भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर बताते हैं? भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी ने विदेशों में भारत को बदनाम करने का ठेका ले रखा है? आखिर किसके कहने पर वे देश की छवि खराब करने में लगे रहते हैं? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को भारत की आर्थिक उपलब्धियों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टों से अवगत होना चाहिए। प्रसाद ने ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित लोवी इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट एशिया पावर इंडेक्स 2026 का भी उल्लेख किया। इस रिपोर्ट में

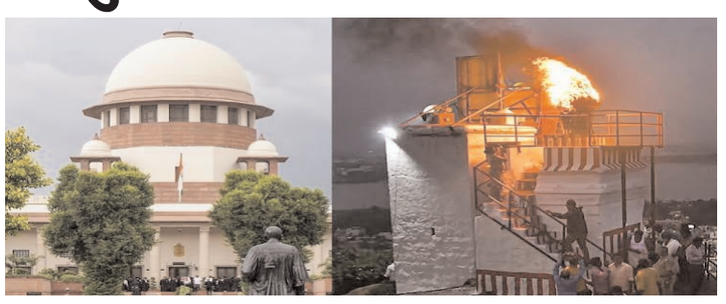


एशिया के 27 देशों की शक्ति और प्रभाव का आकलन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत 40.5 अंक के साथ एशिया की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभरा है। भारत की आर्थिक स्थिरता, बढ़ती आर्थिक क्षमता और क्षेत्रीय प्रभाव में विस्तार को इसकी प्रमुख वजह बताया गया है। रिपोर्ट में भारत की सबसे उल्लेखनीय प्रगति भविष्य के संसाधनों के क्षेत्र में दर्ज की गई है। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद एशिया का दूसरा सबसे प्रभावी क्षेत्रीय नेता बताया गया है। भाजपा नेता प्रसाद ने कहा कि ये उपलब्धियां भारत की मजबूत होती आर्थिक स्थिति और वैश्विक स्तर पर बढ़ते प्रभाव का प्रमाण हैं। उन्होंने गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत 2027 में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा और इस मामले में चीन से आगे होगा। राहुल को देश की अर्थव्यवस्था पर निराधार सवाल उठाने के बजाय इन तथ्यों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों को भी देखना चाहिए। राहुल गांधी के अजंता गुफा में एक तस्वीर को लेकर भाजपा और संघ पर टिप्पणी को शर्मनाक बताते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी की भाषा बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ महिलाओं का सम्मान करते हैं। राहुल गांधी के इस बयान की भाजपा निंदा करती है।

कार्तिगई दीपम पर पुनर्विचार याचिका का विहिप ने किया विरोध

दीप प्रज्वलित की अनुमति देने वाले आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिक

नई दिल्ली,(एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने तमिलनाडु सरकार की ओर से कार्तिगई दीपम के अवसर पर मदुरै के निकट पहाड़ी पर स्थित दीप स्तंभ में दीप प्रज्वलित करने की अनुमति देने वाले आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने का विरोध किया है। विहिप ने राज्य सरकार से याचिका तत्काल वापस लेने और तमिलनाडु में हिंदू मंदिरों तथा देवस्थानम पर सरकारी नियंत्रण से जुड़े कानूनों को समाप्त करने की मांग की है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने सोमवार को जारी वीडियो बयान में कहा कि मदुरै के निकट एक पहाड़ी पर प्राचीन हिंदू मंदिर के पास स्थित दीप स्तंभ में हर साल कार्तिगई दीपम के अवसर पर दीप जलाने की परंपरा



रही है। राज्य सरकार ने इस पर रोक लगा दी थी। इसके बाद मद्रास हाई कोर्ट के एकल पीठ ने विस्तृत आदेश जारी कर राज्य सरकार को साल में एक बार दीप प्रज्वलित करने की अनुमति देने का निर्देश दिया था। आलोक कुमार के अनुसार राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के आदेश का पालन करने के बजाय उसके खिलाफ अपील की। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने अपील खारिज करते हुए एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखा। इसके बाद राज्य सरकार ने हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में अपील की। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश के तहत एक बार के उपाय के रूप में अगले दिन दीप जलाने की व्यवस्था की अनुमति दी। विहिप अध्यक्ष ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश और सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम निर्देश के बावजूद हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने दीप प्रज्वलन की अनुमति देने वाले आदेश के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दाखिल की है। उन्होंने इसे हिंदू धार्मिक परंपरा में हस्तक्षेप बताते हुए कहा कि यह कदम दुखद और चौंकाने वाला है। आलोक कुमार ने तमिलनाडु के लोगों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें नई सरकार से हिंदू हितों के प्रति सकारात्मक रुख की उम्मीद थी, लेकिन दीप जलाने जैसी एक दिन की धार्मिक परंपरा में भी बाधा डालने का प्रयास किया जा रहा है। विहिप ने तमिलनाडु हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1959 और तमिलनाडु मंदिर प्रवेश प्राधिकरण अधिनियम,1947 सहित मंदिरों के प्रशासन और कामकाज पर सरकारी नियंत्रण से जुड़े कानूनों तथा उनके तहत बनाए गए नियमों को समाप्त करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि हिंदू मंदिरों और देवस्थानम का प्रबंधन सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर हिंदू समाज को सौंपा जाना चाहिए,ताकि धार्मिक परंपराओं की रक्षा हो सके।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

अवैध कट, टूटे बैरियर और सड़क किनारे अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त, एफआईआर के निर्देश

हाईवे पर बढ़ेगी पेट्रोलिंग, मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले स्कूल बस होंगे जब्त



मंदसौर। जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एक्सप्रेसवे और फोरलेन मार्गों पर अवैध कट बनाने, बैरियर तोड़ने तथा सड़क किनारे सुरक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वालों के विरुद्ध अब एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। नेशनल हाईवे पर पेट्रोलिंग बढ़ाने के साथ ही सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए हैं। यह निर्देश कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना, डीएफओ संजय रायखेरे, ट्रैफिक टीआई मनोज कुमार सोलंकी, जिला परिवहन अधिकारी दीपक माझी, संयुक्त कलेक्टर प्रीति संघवी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने नेशनल हाईवे विभाग को निर्देशित किया कि एक्सप्रेसवे पर पेट्रोलिंग को गंभीरता से लिया जाए और सुरक्षा की दृष्टि से अधिक से अधिक वाहन तैनात किए जाएं। पेट्रोलिंग के लिए अतिरिक्त वाहनों की आवश्यकता होने पर शासन को मांग पत्र भेजा जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने भी ट्रक कटिंग की वारदातों को देखते हुए पर्याप्त पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध कराने तथा निश्चित समय अंतराल पर गश्त सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कलेक्टर ने स्कूल बसों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बताया कि शिक्षा विभाग के माध्यम से बसों की जानकारी संकलित की गई है। जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिए गए कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों की जानकारी उपलब्ध कराएं। इन मानकों के आधार पर बसों की जांच कराई जाएगी। जो बसें निर्धारित मापदंडों पर खरी नहीं उतरेंगी, उनके विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उन्हें जब्त किया जाएगा। कलेक्टर ने नेशनल हाईवे विभाग से मार्गों पर रेलिंग चोरी होने, बैरियर तोड़े जाने और अन्य नुकसान के मामलों में दर्ज एफआईआर की जानकारी मांगी। विभाग द्वारा संतोषजनक जानकारी नहीं दिए जाने पर उन्होंने सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के प्रत्येक मामले में एफआईआर दर्ज कराई जाए, भले ही आरोपी अज्ञात हो। टूटे हुए बैरियर की तत्काल मरम्मत कराने और इस संबंध में पुलिस थानों में प्रकरण दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में गरोठ एसडीएम ने जानकारी दी कि एक्सप्रेसवे के किनारे 50 से अधिक ढाबे ऐसे स्थानों पर संचालित हो रहे हैं, जहां उनका संचालन नहीं होना चाहिए। कलेक्टर ने इस मामले में नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के मार्गों पर डिवाइडर, ओवरब्रिज, अंडरपास और कट लेन की आवश्यकता वाले स्थानों की जानकारी अगली बैठक से पहले उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही जहां अवैध कट बनाए गए हैं और बैरियर तोड़े गए हैं, उन सभी स्थानों की जियोटैग सहित जानकारी प्रस्तुत की जाए, ताकि आवश्यक सुधारात्मक कार्य कराए जा सकें।

नशा मुक्त भारत अभियान को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक



सख्त कार्रवाई व जागरूकता के दिए निर्देश

हरदा। नशा मुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सोमवार को कलेक्टर श्री कुमार सत्यम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री नरोत्तम भार्गव, अपर कलेक्टर श्री पुरुषोत्तम कुमार एवं श्रीमती अनुपमा चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने कहा कि नशा समाज और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। नशे से पीड़ित व्यक्ति को सजा की नहीं, समझाइश की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षा विभाग और महाविद्यालयों को निर्देश दिए कि शिक्षण संस्थानों में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं और नुक्कड़ नाटक आयोजित कर छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया जाए। शिक्षण संस्थानों के आसपास तंबाकू व नशीले पदार्थों की बिक्री पर विशेष निगरानी रखी जाए। कलेक्टर ने कहा कि मेंटर अधिकारी समय-समय पर अपने कार्य क्षेत्र में नशा मुक्ति अवेयरनेस कैम्प लगाएं और अधिक से अधिक युवाओं व पालकों को जागरूक करें। जिले में आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर एवं किसान चौपाल में भी नशा मुक्ति जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएं। बच्चों को नशा मुक्ति जागरूकता संबंधी शॉर्ट फिल्म भी दिखाई जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री जायसवाल ने निर्देश दिए कि सभी सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के आसपास कैमरे अवश्य लगे हों, यह सुनिश्चित किया जाए। नशे की लत से ग्रस्त व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने पर भी चर्चा हुई।

बिना नंबर की अर्टिगा कार में ले जा रहा था 179 किलो डोडाचूरा, शामगढ़ पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा



मंदसौर। मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले की शामगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बिना नंबर की मारुति सुजुकी अर्टिगा कार से 179 किलो अवैध डोडाचूरा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से कार चालक को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जब्त डोडाचूरा और कार की कुल कीमत 13 लाख 58 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 22 नवंबर को शामगढ़ थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की मारुति सुजुकी अर्टिगा कार में अवैध डोडाचूरा भरकर ग्राम असावती से हरीपुरा होते हुए मेलखेड़ा की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने हरीपुरा फंटे पर घेराबंदी कर बिना नंबर की संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार में रखे नौ प्लास्टिक के काले कट्टों से कुल 179 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने कार चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम अंकित राठौर (29) पिता जगदीश राठौर, निवासी ग्राम आवर, थाना कोतवाली, जिला आगर मालवा बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 179 किलो डोडाचूरा, जिसकी कीमत 3 लाख 58 हजार रुपये तथा बिना नंबर की अर्टिगा कार, जिसकी कीमत 10 लाख रुपये है, जब्त की है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस अब डोडाचूरा के स्रोत और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (गरोठ) राम सनेही मिश्रा एवं एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शामगढ़ कमलेश प्रजापति के नेतृत्व में पुलिस टीम ने की।

नारायणगढ़ पुलिस ने बाइक सवार तस्कर से पकड़ी 10 किलो अफीम, कीमत 20 लाख रुपए

प्रतापगढ़ से मंदसौर तक फैले तस्करी के नेटवर्क की जांच शुरू, एक आरोपी गिरफ्तार और दूसरा फरार

मंदसौर। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत ?ले की नारायणगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बाइक सवार एक युवक को 10 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त अफीम की कीमत करीब 20 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी जब्त किया है। मामले में अफीम उपलब्ध कराने वाला एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 22 नवंबर को



नारायणगढ़ से मल्हारगढ़ रोड पर बालाजी मंदिर के पास वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक ञ्छ.35.स्ह.2294 को रोककर तलाशी ली गई। बाइक चालक मोहनलाल पिता रामचन्द्र मीणा (25), निवासी ग्राम केशरपुरा, जिला प्रतापगढ़ (राजस्थान) के बैग से 10 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। पुलिस ने अफीम को विधिवत जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में मोहनलाल ने अफीम ग्राम झांतला, जिला प्रतापगढ़ निवासी जीवन सिंह पिता शेर सिंह राजपूत से लाना बताया। इसके बाद पुलिस ने जीवन सिंह को भी प्रकरण में आरोपी बनाया है, जो फिलहाल फरार है। पुलिस अब अफीम के स्रोत और उसकी सप्लाई से जुड़े नेटवर्क के संबंध में गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है। मामले में थाना नारायणगढ़ पर अपराध क्रमांक 370/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 एवं 29 में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है।

कार्रवाई में पुलिस ने 20 लाख रुपए की अफीम, 45 हजार रुपए कीमत की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल तथा 8 हजार रुपए कीमत का ओप्पो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन जब्त किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल एवं एसडीओपी मल्हारगढ़ पी.एस. बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नारायणगढ़ राजेन्द्र कुमार पवार के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी सहित नारायणगढ़ पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

रोजगार, स्वरोजगार एवं प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला 26 नवंबर को

बैतूल। जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बैतूल और शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल के संयुक्त तत्वावधान में 26 नवंबर को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल में रोजगार, स्वरोजगार एवं प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर बेरोजगार युवक-युवतियों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यशस्वी ग्रुप भोपाल, आयशर ट्रैक्टर मंडीदीप में अप्रेंटिस के 50 पदों, टैलेंट कॉर्प सॉल्यूशन प्रा.लि. नागपुर में उत्पादन, इंजेक्शन, सैलेन के 50 पद और प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन भोपाल में ट्रेनी, मशीन ऑपरेटर के 50 पदों के लिए योग्यता 12वी, आईटीआई, डिप्लोमा होना अनिवार्य है। वहीं सागर मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड रायसेन में अप्रेंटिस, मशीन ऑपरेटर के 50 पदों के लिए योग्यता 5वी से 12वीं आईटीआई, जेके बायो एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड भोपाल में सेल्स एग्जीक्यूटिव, फील्ड ऑफिसर के 20 पदों के लिए योग्यता 10वीं 12वीं स्नातक स्नातकोत्तर उत्तीर्ण होना तथा वी एंड यू टैलेंट वर्कफोर्स सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में ऑपरेटर के 500 पदों के लिए योग्यता 12वीं, बीए, बीकॉम, बीएससी, आईटीआई डिप्लोमा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में युवक, युवतियों को अपने समस्त शैक्षिणक योग्यता संबंधित प्रमाण पत्र बायोडाटा,आईडी प्रूफ एवं 2 पासपोर्ट साईज के फोटो के लाना अनिवार्य है।

भानपुरा पुलिस ने पंजाब के दो तस्करों को 90 किलो डोडाचूरा के साथ दबोचा



लोटखेड़ी बायपास पर नाकाबंदी के दौरान होंडा सिटी कार से पकड़ी खेप, 15 लाख की कार भी जब्त

मंदसौर। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले की भानपुरा पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब के दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 90 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा और तस्करी में प्रयुक्त होंडा सिटी कार जब्त की है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत 2 लाख 70 हजार रुपये, जबकि कार की कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार 22 नवंबर को थाना भानपुरा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि लोटखेड़ी बायपास तिराहे पर सफेद रंग की होंडा सिटी कार में अवैध मादक पदार्थ ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर दबिश दी और कार में सवार दो व्यक्तियों को पकड़ा। तलाशी लेने पर कार से 90 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुलबिंदर सिंह (35) पिता बलवीर सिंह निवासी ग्राम खाई तथा मनप्रीत सिंह (30) पिता चरण सिंह निवासी रोरेवाला, थाना लहरागागा, जिला संगरूर (पंजाब) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। तस्करी में प्रयुक्त होंडा सिटी कार क्रमांक ।क्र-10-ह्ल-4416 भी जब्त की गई है। पूछताछ में आरोपियों ने डोडाचूरा की खेप गरोठ निवासी नरेंद्र सिंह से प्राप्त करना और पंजाब में खपाने के लिए ले जाना बताया है। पुलिस अब फरार आरोपी नरेंद्र सिंह की तलाश के साथ ही मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े अन्य संपर्कों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामसनेही मिश्रा एवं एसडीओपी गरोठ विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भानपुरा उपनिरीक्षक विनय बुंदेला और उनकी टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

मध्य प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष श्री कैलाश जाटव 24 नवंबर को आएंगे बैतूल

बैतूल। मध्य प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष श्री कैलाश जाटव तीन दिवसीय 24, 25 और 26 नवंबर को बैतूल प्रवास पर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार आयोग के अध्यक्ष श्री जाटव 24 नवंबर को प्रात: 11 बजे भोपाल से बैतूल के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 3 बजे बैतूल आगमन होगा। आयोग अध्यक्ष श्री जाटव दूसरे दिन 25 नवंबर को सुबह 10 बजे विद्यालय और अनुसूचित जाति छात्रावास का निरीक्षण करेंगे और प्रात: 11 बजे जनजातीय सामुदायिक मंगल भवन, स्टेशन रोड में अनुसूचित जाति वर्ग से सामाजिक संवाद में शामिल होंगे। इसके बाद यहीं दोपहर 3 बजे पत्रकार वार्ता में शामिल होंगे। वहीं अपराह्न 5 बजे अनुसूचित जाति बस्तियों का भ्रमण करेंगे। आयोग अध्यक्ष श्री जाटव 26 नवंबर को प्रात: 10ः30 बजे अंबेडकर चौक बैतूल में डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। तत्पश्चात प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याणार्थ शासन की विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में शामिल होंगे।

12 दिसंबर की लोक अदालत में विद्युत उपभोक्ताओं को मिलेगी बड़ी राहत, ब्याज पर शत-प्रतिशत छूट

मंदसौर। बिजली बिल और विद्युत अनियमितताओं से जुड़े मामलों के निराकरण के लिए 12 दिसंबर 2026 को नेशनल लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसमें विद्युत अधिनियम 2003 के तहत दर्ज विद्युत चोरी के मामलों सहित न्यायालयों में लंबित प्रकरणों और मुकदमा पूर्व प्रकरणों का आपसी समझौते के आधार पर निराकरण किया जाएगा। इस दौरान पात्र उपभोक्ताओं को कंपनी की ओर से विशेष छूट भी दी जाएगी। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, मंदसौर वृत्त के अधीक्षण यंत्री योगेश आठनेरे ने बताया कि मंदसौर, मल्हारगढ़ और सीतामऊ संभाग के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की सुनवाई विशेष न्यायालय मंदसौर में होगी। वहीं गरोठ और भानपुरा तहसील न्यायालयों में लंबित विद्युत संबंधी न्यायालयीन प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। कंपनी की छूट योजना के तहत निम्नदाब श्रेणी के सभी घरेलू एवं कृषि उपभोक्ता, 5 किलोवॉट भार तक के गैर घरेलू तथा 10 एचपी भार तक के औद्योगिक उपभोक्ता पात्र होंगे। निर्धारित शर्तों के अनुसार संपूर्ण निर्धारण राशि का एकमुश्त भुगतान करने पर विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत विद्युत चोरी के प्रकरणों में प्री-लिटिगेशन स्तर पर आकलित सिविल दायित्व की राशि में 30 प्रतिशत तथा ब्याज में 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

अनुग्रह सहायता संबंधी प्रकरणों का समय सीमा में करें निराकरण

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें अधिकारी

हरदा 23 नवंबर 2026/ कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने सोमवार को आयोजित समयावधि अंकित पत्रों की समीक्षा बैठक में अनुग्रह सहायता राशि वितरण संबंधी प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होने निर्देशित किया कि अनुग्रह सहायता राशि संबंधी प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें। कोई भी प्रकरण एक माह से अधिक लंबित न रहे। इस दौरान उन्होने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि कोई भी शिकायत नॉट अटेण्डेड न रहे। सभी शिकायतों का समय सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाए। सभी अधिकारी 100 दिवस से 300 दिवस तक लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण



सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने जन विश्वास अभियान में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान सभी निर्माण कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि निर्माण कार्य में आने वाली समस्याओं का निराकरण संबंधित विभाग आपसी समन्वय से करें। कलेक्टर ने बैठक में राजस्व वसूली कार्यों की समीक्षा के दौरान वसूली कार्य में प्रगति लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। बैठक में कलेक्टर ने स्वामित्व रजिस्ट्री के तहत रजिस्ट्री कार्य की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होने स्वामित्व रजिस्ट्री के कार्य में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिये। उन्होने राजस्व वसूली कार्य में लापरवाही करने पर खिरकिया के प्रभारी नगर पालिका अधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अनुपमा चौहान एवं श्री पुरुषोत्तम कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरोत्तम भार्गव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, मंगलवार 24 नवम्बर 2026

वाराणसी में अवैध हॉस्पिटल, लैब के खिलाफ होगी सख्त कार्यवाही

वाराणसी। वाराणसी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एन.पी. सिंह ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि वाराणसी में नियमानुसार पंजीकृत कुल 560 संख्या विलनिक और हॉस्पिटल हैं। इसी तरह 254 अल्ट्रासाउंड सेंटर, 162 पैथ लैब,113 डाइग्नोस्टिक सेंटर है। हॉस्पिटल, लैब या सेंटर अगर नियम को नहीं मानेंगे तो वे अवैध माने जाएंगे। और उनके विरुद्ध चिकित्सा विभाग की टीम जांचकर कार्रवाई करेगी।

बिसलेरी में ब्रोमेट ज्यादा मिला, एफएसएसएआई ने की कार्रवाई

मुंबई। पैकेज्ड पेयजल निर्माता बिसलेरी इंटरनेशनल ने सोमवार को कहा कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की कंपनी के खिलाफ कार्रवाई सितंबर 2025 में उसकी गोवा स्थित विनिर्माण इकाई से लिए गए पानी के एक सैंपल से संबंधित है। कंपनी ने दावा किया कि बाद में की गई जांच में ब्रोमेट का स्तर निर्धारित सीमा के भीतर पाया गया था। कंपनी का यह बयान एफएसएसएआई द्वारा बिसलेरी के खिलाफ अभियोजन की कार्यवाही को मंजूरी देने की घोषणा के बाद आया है।

अयोध्या में राजनीतिक गतिविधियां तेज,रामलला किसे देंगे आशीर्वाद

लोकसभा चुनाव ने इसे राजनीति के केंद्र में ला दिया,बीजेपी को लगा था झटका



अयोध्या। राम मंदिर, सरयू के घाट, फैजाबाद की नवाबी विरासत और बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच अयोध्या की कहानी कई परतों वाली है. कभी साकेत के नाम से पहचानी जाने वाली यह नगरी आज धार्मिक पर्यटन केंद्रों में शामिल है। यहां भव्य राम मंदिर बनाया गया है। दूसरी ओर 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार ने अयोध्या की राजनीति को नई चर्चा के केंद्र में ला दिया है। जिला प्रशासन के मुताबिक अयोध्या का प्राचीन नाम साकेत था। इसे भगवान श्रीराम की जन्मस्थली और प्राचीन कोसल राज्य की राजधानी के रूप में जाना जाता है। रामायण की कथा से जुड़ी होने के कारण यह नगरी हिंदू धर्म के प्रमुख तीर्थस्थलों में गिनी जाती है। अयोध्या का इतिहास केवल धार्मिक मान्यताओं तक सीमित नहीं है। अयोध्या और फैजाबाद का इतिहास एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। नवाबी दौर में फैजाबाद अवध की अहम राजनीतिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा। अवध के तीसरे नवाब शुजा-उद-दौला की कब्र गुलाबबाड़ी में स्थित है,जो आज भी उस दौर की वास्तुकला की याद दिलाती है। अयोध्या यूपी के मध्य-पूर्वी हिस्से में स्थित है। जिला प्रशासन के आंकड़ों के मुताबिक अयोध्या का क्षेत्रफल 2,522 वर्ग किलोमीटर है। 2011 की जनगणना के मुताबिक जिले की कुल आबादी 24,70,996 थी.इसमें पुरुषों की संख्या 12,59,628 और महिलाओं की संख्या 12,11,368 दर्ज की गई थी। जिले में पांच तहसील,11 विकासखंड, 835 ग्राम पंचायत और 1,272 गांव हैं। यहां हिंदी के साथ अवधी भाषा का भी व्यापक इस्तेमाल होता है। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन से जुड़े आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 में अयोध्या आने वाले पर्यटकों की संख्या करीब 5.75 करोड़ थी, जो 2024 में बढ़कर 16.44 करोड़ से ज्यादा हो गई। यह आंकड़ा अयोध्या में धार्मिक पर्यटन के तेजी से बढ़ने का संकेत है। राम मंदिर के अलावा हनुमानगढ़ी,कनक भवन,राम की पैड़ी, नया घाट,गुप्तार घाट और जैन मंदिर भी यहां के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल हैं। फैजाबाद क्षेत्र में गुलाबबाड़ी और बहू बेगम का मकबरा नवाबी दौर की विरासत को दर्शाते हैं। अयोध्या की राजनीति का असर केवल जिले तक सीमित नहीं रहा है। राम मंदिर आंदोलन ने इसे राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में पहुंचाया। बीजेपी के वरिष्ठ नेता विनय कटियार लंबे समय तक राम मंदिर आंदोलन से जुड़े प्रमुख चेहरों में रहे। पूर्व सांसद लल्लू सिंह भी अयोध्या की राजनीति में भाजपा का बड़ा नाम रहे हैं। समाजवादी पार्टी की राजनीति में अवधेश प्रसाद,तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय और अभय सिंह जैसे नेताओं की भूमिका चर्चा में रही है। कांग्रेस की ओर से निर्मल खत्री भी फैजाबाद की राजनीति का जाना-पहचाना नाम रहे हैं। अयोध्या की राजनीति में 2024 का लोकसभा चुनाव सबसे चर्चित घटनाक्रमों में से एक रहा।

परिवारवाद नहीं,कार्यकर्ताओं की योग्यता से तय होती है भूमिका : राम माधव

भाजपा प्रभारी ने कहा उत्तराखंड में हैट्रिक के लिए कमर कसें भाजपा कार्यकर्ता



हरिद्वार। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी राम माधव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ चुनावी मैदान में उतरने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड भाजपा के लिए 'नेचुरल पार्टी ऑफ गवर्नेंस' है। यह देवभूमि और वीरभूमि है तथा भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की विचारधारा के साथ यहां की जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। हरिद्वार के प्रेमनगर आश्रम में आयोजित भाजपा की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए राम माधव ने कहा कि भाजपा ही ऐसा राजनीतिक दल है, जहां सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी योग्यता और परिश्रम के बल पर टिकट का दावेदार बन सकता है। पार्टी में परिवारवाद और धनबल के आधार पर फैसले नहीं होते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उदाहरण हैं, जिन्होंने एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में राजनीतिक यात्रा शुरू की। उन्होंने टिकट के दावेदारों को धैर्य रखने की सलाह देते हुए कहा कि चुनाव में टिकट किसी एक व्यक्ति को ही मिलेगा, लेकिन पार्टी की जीत सामूहिक प्रयास से सुनिश्चित होगी। इसलिए सभी कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत दावेदारी से ऊपर उठकर संगठन की मजबूती और भाजपा की जीत के लिए काम करना चाहिए। पार्टी प्रभारी राम माधव ने बताया कि दिल्ली, पंजाब और हिमाचल प्रदेश से आए विस्तारक जिला केंद्रों में रहकर चुनावी तैयारियों में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा के पक्ष में उत्साहजनक माहौल है। इस माहौल को बनाए रखने के लिए कार्यकर्ताओं को लगातार सक्रिय रहना होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि एकजुटता और संगठन की ताकत के सामने कोई बाहरी शक्ति भाजपा को चुनाव में पराजित नहीं कर सकती। उन्होंने उत्तराखंड राज्य के गठन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और तत्कालीन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य के गठन के बाद से भाजपा को जनता ने 17 वर्षों तक सेवा का अवसर दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व की सराहना करते हुए राम माधव ने कहा कि भाजपा केवल चुनाव जीतने वाली पार्टी नहीं, बल्कि चुनावों में नए रिकॉर्ड बनाने वाली पार्टी है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में हर पांच साल में सरकार बदलने की परंपरा को भाजपा ने तोड़ा है। उन्होंने कहा कि दस वर्षों के शासन के बाद पार्टी अब 15 वर्षों तक निरंतर जनसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। राम माधव ने कहा कि उत्तराखंड की करीब 1.20 करोड़ धर्मनिष्ठ और देशभक्त जनता का आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ रहा है। आदि कैलाश से बदरीनाथ धाम तक हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देवभूमि में विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का काम निरंतर आगे बढ़ रहा है।

नौ महीने में दी गई देश में एचपीवी टीके की एक करोड़ से अधिक खुराक

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए चलाया जा रहा एचपीवी टीकाकरण अभियान



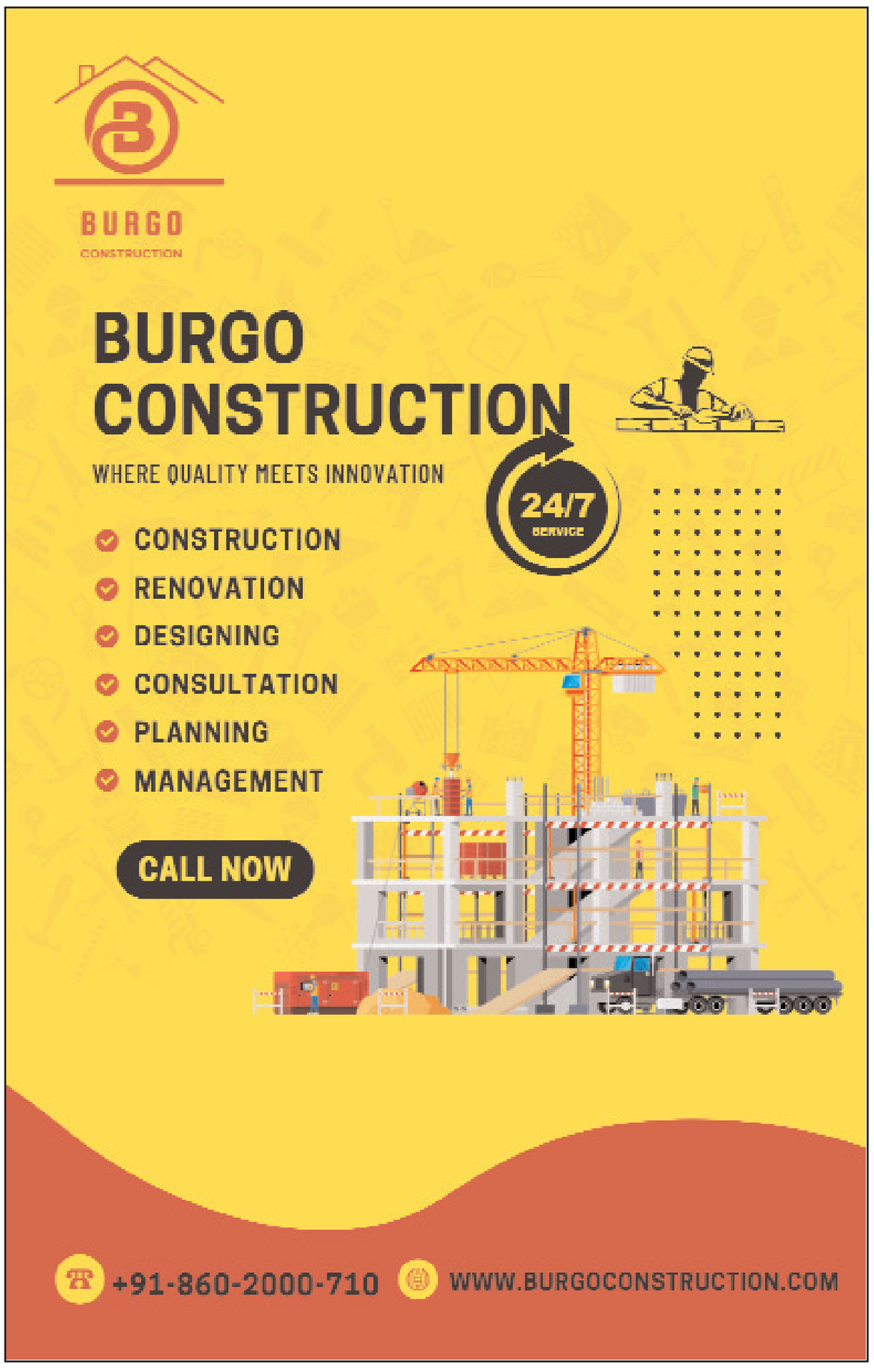
नई दिल्ली। देश में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत नौ महीने से भी कम समय में एक करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। अभियान के तहत 14 वर्ष की किशोरियों को मुफ्त और स्वैच्छिक रूप से एचपीवी टीके की एक खुराक दी जा रही है। अब तक निर्धारित लक्ष्य का करीब 87 प्रतिशत हासिल किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी में इस राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुआत की थी। इसके तहत माता-पिता की सहमति से सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर 14 वर्ष की लड़कियों का टीकाकरण किया जा रहा है। अभियान का वार्षिक लक्ष्य भारतीय महापंजीयक के 2021 के जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर करीब 1.2 करोड़ किशोरियों का टीकाकरण करना है। गुजरात,उत्तर प्रदेश,आंध्र प्रदेश,मिजोरम,मध्य प्रदेश और बिहार ने अपने निर्धारित लक्षित समूह का 100 प्रतिशत टीकाकरण पूरा कर लिया है। अन्य राज्यों में असम ने 95.63 प्रतिशत,तेलंगाना ने 95.28 प्रतिशत, कर्नाटक ने 93.16 प्रतिशत और उत्तराखंड ने 90.17 प्रतिशत कवरेज हासिल किया है। छत्तीसगढ़ में 86.21 प्रतिशत और राजस्थान में 85.23 प्रतिशत किशोरियों को टीका लगाया जा चुका है। केरल में 77.02 प्रतिशत, तमिलनाडु में 76.12 प्रतिशत, ओडिशा में 74.90 प्रतिशत और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव में 72.99 प्रतिशत टीकाकरण हुआ है। कुल टीकाकरण की संख्या के लिहाज से उत्तर प्रदेश सबसे आगे है। वहां 29.33 लाख से अधिक किशोरियों को टीका लगाया गया है। बिहार में 13.70 लाख से अधिक और गुजरात में 7.75 लाख से अधिक किशोरियों का टीकाकरण हुआ है। मंत्रालय ने बताया कि अभियान को सफल बनाने में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वय के साथ जिला प्रशासन,स्वास्थ्य संस्थानों और जमीनी स्तर पर काम करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका रही है। ग्रामीण,शहरी और दूरदराज के क्षेत्रों में टीकाकरण की पहुंच बढ़ाने के लिए राज्यों ने स्थानीय जरूरतों के अनुसार प्रयास किए हैं।

संसद के मानसून सत्र का 100 दिन बाद भी नहीं हुआ सत्रावसान

09 सत्रावसान नहीं होने को लेकर चिंतित विपक्ष,जताई साजिश की आशंका



नई दिल्ली। भारतीय संसद का हालिया मानसून सत्र एक नया और अभूतपूर्व रिकॉर्ड बना चुका है। सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 100 दिन से भी अधिक हुए हैं, लेकिन अब तक औपचारिक रूप से समाप्त (सत्रावसान) नहीं किया गया है। इससे पहले, वर्ष 2008 में संसद का एक सत्र बिना औपचारिक समापन के 87 दिनों तक चला था, जो अब तक का सबसे लंबा अंतराल था। यह मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और लोकसभा व राज्यसभा दोनों की कार्यवाही को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब जबकि शीतकालीन सत्र की घोषणा का समय करीब आ चुका है, इस लंबे अंतराल ने सभी का ध्यान खींचा है। इस असाधारण देरी के पीछे महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए प्रस्तावित परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर संसद का एक विशेष या विस्तारित सत्र बुलाने की संभावना भी एक बड़ा कारण मानी जा रही है, हालांकि सरकार ने अभी तक इसकी तारीख और अवधि घोषित नहीं की है। प्रस्तावित संविधान संशोधन के तहत, परिसीमन के माध्यम से लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का मार्ग प्रशस्त करना है। दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने के लिए,सरकार हर राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या 50 प्रतिशत तक बढ़ाने या 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बरकरार रखने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही है,हालांकि इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। इस बीच, दिसंबर के पहले हफ्ते में शीतकालीन सत्र शुरू होने की संभावना है। मौजूदा सत्र को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम दो दिन का नोटिस देना आवश्यक होता है, जबकि एक नया सत्र बुलाने के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस देना पड़ता है।



जन्म प्रमाणपत्रों में फर्जीवाड़ा,मुंबई में हजारों लाभार्थी पतों से गायब

मुंबई में जन्म प्रमाणपत्रों को लेकर बीएमसी की जांच में चौंकाने वाले खुलासे



मुंबई। मुंबई में जन्म प्रमाणपत्रों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की जांच में बीएमसी ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। महानगरपालिका द्वारा सत्यापित 3,470 पतों में से केवल 103 लाभार्थी ही अपने दर्ज पते पर मिले,जिससे हजारों जन्म प्रमाणपत्रों की वैधता पर गंभीर सवाल उठे हैं। यह खुलासा तब हुआ जब बीएमसी ने 2024 से 2026 के बीच जन्म पंजीकरण में किए गए कुल 19,734 संशोधनों की जांच शुरू की। इसमें से 17,344 संशोधनों को जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 की धारा 15 के तहत रद्द किया गया है,जबकि तकनीकी खामियों के कारण अन्य संशोधनों को रद्द करने की प्रक्रिया रुकी हुई है, जिस पर बीएमसी का आईटी विभाग काम कर रहा है। जांच के पहले चरण में, बीएमसी ने 14,645 नागरिकों को पंजीकृत डाक से नोटिस भेजा थे, जिसमें से 6,149 पत्र वापस लौट आए। इन पत्रों में नागरिकों को बताया गया था कि उनके जन्म रिकॉर्ड में संशोधन किया गया है और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर उन्हें रद्द किया जा सकता है। इसके बाद,कम्युनिटी हेल्थ वॉलंटियर्स (सीएचवी) और आशा कार्यकर्ताओं द्वारा जमीनी सत्यापन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कुल 3,470 पतों का दौरा किया, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से केवल 103 लाभार्थी ही अपने दर्ज पतों पर मिले, जो फर्जीवाड़े की ओर इशारा करता है। पूर्व बीजेपी सांसद किरीट सोमैया ने अनियमितताओं को सामान्य प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि गंभीर फर्जीवाड़ा करार दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी संख्या में संदिग्ध संशोधन बिना उचित जांच के महानगरपालिका के रिकॉर्ड में कैसे दर्ज और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बीएमसी की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ज्यादातर संशोधन बच्चों के नाम जोड़ने,माता-पिता के नाम में बदलाव, लिंग में सुधार और पते में परिवर्तन से संबंधित थे। हालांकि,महानगरपालिका ने स्पष्ट किया है कि सरकारी दिशानिर्देशों के तहत 27 अप्रैल 2026 तक बच्चों के नाम जोड़ने की अनुमति थी, और ऐसे मामलों की अलग से जांच की जाएगी।

पुलिसकर्मी को सेवा व समर्पण की प्रेरणा देता है पुलिस ध्वज: सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश पुलिस के सभी जवानों व उनके परिजनों को 'पुलिस झंडा दिवस' की शुभकामनाएं दीं। 'पुलिस झंडा दिवस' पर सोमवार को पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पुलिस कलर (फ्लैग पिन) लगाया और स्मृति चिह्न प्रदान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस ध्वज कर्तव्यनिष्ठा, अदम्य साहस,अनुशासन और जनसेवा के अटूट संकल्प का गौरवशाली प्रतीक है। पुलिस झंडा दिवस हमारी गौरवशाली परंपरा, अनुशासन, त्याग और बलिदान के संकल्प का स्मरण कराता है। उत्तर प्रदेश पुलिस के सभी कर्तव्यनिष्ठ कार्मिकों और उनके परिजनों को पुलिस झंडा दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह ध्वज प्रत्येक पुलिसकर्मी को सेवा व समर्पण की प्रेरणा देता है तथा सबके मन में विश्वास व सुरक्षा का भाव सुदृढ़ करता है। मुख्यमंत्री आवास पर फ्लैग पिन लगाने के दौरान अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद, एडीजी (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश, आईपीएस सुनील इमैनुअल आदि मौजूद रहे।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, मंगलवार 24 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

साइड-लाइन में समिट

अभी भी ट्रंप ने क्वॉड शिखर सम्मेलन के लिए अलग से समय निकालने की जरूरत नहीं समझी है। वे आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने फिलीपीन्स आए हैं तो कुछ घंटे क्वॉड के लिए भी निकाल लेंगे। आखिरकार क्वाड्रैंगुलर सिक्युरिटी डॉयलॉग (क्वॉड) का शिखर सम्मेलन होने की संभावना उज्ज्वल हुई। लेकिन ऐसा इसलिए नहीं हुआ कि आखिरकार डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने फिर इस मंच की अहमियत समझ ली हो। अभी भी ट्रंप ने क्वॉड शिखर सम्मेलन के लिए अलग से समय निकालने की जरूरत नहीं समझी। वे आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने फिलीपीन्स आए हैं और उसके बाद एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में हिस्सेदारी के लिए चीन के शेनझेन जाएंगे। इस बीच मनीला में कुछ घंटे वे क्वॉड के लिए भी निकाल लेंगे। इस कार्यक्रम सूची से बतौर राष्ट्रपति दूसरे कार्यकाल में ट्रंप की प्राथमिकताओं का अंदाजा लग जाता है। फिलपीन्स की राजधानी में क्वॉड की मंगलवार को प्रस्तावित बैठक के जिस एजेंडे की चर्चा मीडिया में है, वह भी अमेरिकी निगाह में इस मंच के महत्त्व को जाहिर करता है। बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, और जापान एवं ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों के साथ क्वॉड शिखर बैठक में रेयरअर्थ सहित अन्य महत्त्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला निर्मित करने, समुद्री सुरक्षा एवं व्यापारिक जहाजों के जल-मार्ग को सुरक्षित करने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। लेकिन इसमें चीन से संबंधित विवाद गायब हैं, जबकि क्वॉड जब बना था, तो उसका मकसद चीन को घेरना ही माना जाता था। दशक भर पहले वह वो दौर था, जब अमेरिका ने चीन की ताकत को नियंत्रित करने के मकसद के तहत ही इंडो-पैसिफिक की रणनीति अपनाई थी। अब वह एशिया प्रशांत की शब्दावली की तरफ लौट चुका है। बल्कि उससे भी आगे जाते हुए ट्रंप शी जिनपिंग के अमेरिका और चीन के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक स्थिरता के संबंध का फॉर्मूला स्वीकार कर चुके हैं। ऐसे में क्वॉड की उपयोगिता पर स्वाभाविक प्रश्न-चिह्न खड़े हुए हैं। फिलहाल, जब राष्ट्रपति बनने के पौने दो साल बाद जब ट्रंप ने क्वॉड के लिए कुछ घंटे निकाले हैं, तो उनके प्रशासन ने आश्वासन देने की कोशिश की है कि क्वॉड लाइफ- सपोर्ट पर नहीं है, और इस मंच के तहत अपने सहयोगी देशों के साथ अमेरिका ने विचार-विमर्श करना जारी रखा है। लेकिन सवाल है कि उन चर्चाओं के आखिर दिशा क्या निकली है?

राशिफल



मेष राशि आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके ऊपर भगवान की कृपा बनी रहेगी और आप अच्छे काम करेंगे। आज आपका मन भावनात्मक तौर पर अधिक मजबूत रहेगा। आपका दिन परोपकार के कार्यों में लग सकता है। आज आप अपने किसी सहकर्मी या मित्र की सहायता कर सकते हैं, जिससे आपके मन को बहुत संतुष्टि मिलेगी।

वृष राशि आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका आपके जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर चल रहा वाद-विवाद आज समाप्त हो सकता है। अपने परिवार के किसी सदस्य की सेहत को लेकर आप थोड़ा सा चिंतित हो सकते हैं। आप अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखेंगे।

मिथुन राशि आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज अपने कामकाज को आप अपने समय से पूरा कर लेंगे, जिससे आपका मन संतोष रहेगा। बहुत दिनों से आप अपने काम को लेकर परेशान थे, यदि आप सामाजिक या राजनीति क्षेत्रों में काम करते हैं, तो आपको मान-सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त हो सकती है।

कर्क राशि आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपको अपने खर्चों के प्रति सावधान रहना होगा। आप व्यर्थ के खर्चों पर अधिक ध्यान न दें, अपने सामानों को खरीदने से पहले एक आवश्यक कार्यों की लिस्ट बनाएं कि किस सामान की अधिक आवश्यकता है, केवल उसी सामान को अधिक खरीदें। आपके घर के खर्च आपके लिए बहुत बड़ी परेशानी बन सकते हैं।

सिंह राशि आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। अगर आपका किसी कारण से मन परेशान है, तो उसे शांत रखने के लिए आप अपने बच्चों के साथ थोड़ा सा समय बिताएं, तो आपका मन अच्छा हो जाएगा।

कन्या राशि आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज व्यक्तिगत जीवन की जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। इस राशि के राजनीतिज्ञों को लोगों का समर्थन मिलेगा। लोग आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी।

तुला राशि आज का दिन आपके लिए खुशी से भरा रहेगा। आपके कामों की गति धीमी रहेगी, लेकिन मित्रों के साथ आपके संबंध बेहतर रहेंगे, इसके साथ ही आप परिवार में सबको खुश रखने की कोशिश में लगे रहेंगे, आपको अच्छा लगेगा। आज आपके अंदर त्याग और सहयोग की भावना रहेगी।

वृश्चिक राशि आज का दिन आपके लिए नई उमंगें लेकर आया है। काफी समय से किसी बात से परेशान लोग आज उसका समाधान ढूंढ लेंगे। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन परेशान हो सकते हैं।

धनु राशि आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपकी वाणी में कठोरता आ सकती है, दूसरों के प्रति स्नेह भाव बनाए रखें। पेट की समस्या से परेशान लोगों को ऑयली खाने से बचना चाहिए। आज संतान पक्ष से सुखद अनुभूति होगी। आज आपको आय के नवीन स्रोत मिलेंगे।

मकर राशि आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी-खासी रहेगी। आज प्रिय मित्र आपसे किसी विशेष विषय को लेकर बातचीत कर सकता है। आज नया काम आपको सोच-विचार कर करना चाहिए। आपकी आय के मुकाबले खर्चों में अधिकता रहेगी।

कुंभ राशि आज का दिन आपके लिए सुख-शांति से भरा रहेगा। पुत्र पक्ष से सहयोग मिलेगा। आपसी रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। इस राशि के लोगों का निर्माण कार्य जल्द पूरा हो जाएगा। राजनीति से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा। लोग आपके कार्य से खुश होंगे।

मीन राशि आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज जिस भी क्षेत्र में आप मेहनत करेंगे, उसमें उन्नति हासिल करेंगे। आज आपकी सभी परेशानियों का अंत होगा। सफलता की नई किरण दिखाई देगी। आर्थिक क्षेत्र में विकास के योग बन रहे हैं।

गुरु नानक देव: आध्यात्मिक विरासत और मानवता का संदेश

कुमार कृष्णन



पटना, राजगीर, गया, बक्सर, सोनपुर और बिहार के दूसरे क्षेत्रों से जुड़ी उनकी यात्रा की परम्पराएं इस प्रदेश की साझा सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। गुरु नानक देव जी का जन्म 1469 ईस्वी में वर्तमान पाकिस्तान के ननकाना साहिब में हुआ था। उनके पिता का नाम मेहता कालू और माता का नाम माता तृप्ता था। बचपन से ही उनकी रुचि आध्यात्मिक चिंतन और मानवीय जीवन के गहरे प्रश्नों में थी। उन्होंने तत्कालीन समाज में व्याप्त धार्मिक आडंबरों, जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानताओं पर सवाल उठाए। उनके लिए मनुष्य की पहचान उसकी जाति, धर्म या सामाजिक हैसियत से नहीं, बल्कि उसके कर्म और आचरण से थी। गुरु नानक देव जी ने एक ईश्वर की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए समस्त मानवता की एकता पर बल दिया। उनका मूल संदेश था कि ईश्वर एक है और उसकी दृष्टि में सभी मनुष्य समान हैं। उन्होंने %नाम जपो, किरत करो और वंड छको% का सिद्धांत दिया। इसका अर्थ है—ईश्वर का स्मरण करो, ईमानदारी से श्रम करके आजीविका अर्जित करो और अपनी कमाई को दूसरों के साथ बांटकर खाओ। यह केवल धार्मिक उपदेश नहीं था, बल्कि एक न्यायपूर्ण और संवेदनशील समाज की जीवन-पद्धति थी। अपनी शिक्षाओं को व्यापक समाज तक पहुंचाने के लिए गुरु नानक देव जी ने लंबी यात्राएं कीं।

धर्म का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना है, न कि उसके बीच दीवारें खड़ी करना। जब समाज जाति, संप्रदाय, ऊंच-नीच और धार्मिक भेदभाव में बंटा हो, तब प्रेम, समानता और भाईचारे का संदेश देने वाले महापुरुषों की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। सिख धर्म के संस्थापक और प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी का जीवन इसी मानवीय चेतना का प्रकाशस्तंभ है। उन्होंने लगभग पांच सौ वर्ष पहले अपनी आध्यात्मिक यात्राओं के माध्यम से जिस उदार और समतामूलक समाज की कल्पना प्रस्तुत की थी, उसकी स्मृतियां बिहार की धरती पर आज भी जीवित हैं। पटना, राजगीर, गया, बक्सर, सोनपुर और बिहार के दूसरे क्षेत्रों से जुड़ी उनकी यात्रा की परम्पराएं इस प्रदेश की साझा सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। गुरु नानक देव जी का जन्म 1469 ईस्वी में वर्तमान पाकिस्तान के ननकाना साहिब में हुआ था। उनके पिता का नाम मेहता कालू और माता का नाम माता तृप्ता था। बचपन से ही उनकी रुचि आध्यात्मिक चिंतन और मानवीय जीवन के गहरे प्रश्नों में थी। उन्होंने तत्कालीन समाज में व्याप्त धार्मिक आडंबरों, जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानताओं पर सवाल उठाए। उनके लिए मनुष्य की पहचान उसकी जाति, धर्म या सामाजिक हैसियत से नहीं, बल्कि उसके कर्म और आचरण से थी। गुरु नानक देव जी ने एक ईश्वर की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए समस्त मानवता की एकता पर बल दिया। उनका मूल संदेश था कि ईश्वर एक है और उसकी दृष्टि में सभी मनुष्य समान हैं। उन्होंने %नाम जपो, किरत करो और वंड छको% का सिद्धांत दिया। इसका अर्थ है—ईश्वर का स्मरण करो, ईमानदारी से श्रम करके आजीविका अर्जित करो और अपनी कमाई को दूसरों के साथ बांटकर खाओ। यह केवल धार्मिक उपदेश नहीं था, बल्कि एक न्यायपूर्ण और संवेदनशील समाज की जीवन-पद्धति थी। अपनी शिक्षाओं को व्यापक समाज तक पहुंचाने के लिए गुरु नानक देव जी ने लंबी यात्राएं कीं। इन यात्राओं को उदासी कहा जाता है। इनका उद्देश्य विभिन्न धर्मों, संप्रदायों और विचारधाराओं के लोगों से संवाद करना तथा उन्हें प्रेम, सत्य, समानता और मानवता का संदेश देना था। इन यात्राओं में उनके साथ भाई मरदाना रहते थे। भाई मरदाना मुस्लिम परिवार से थे और रबाब बजाते थे। गुरु नानक की वाणी और भाई मरदाना की रबाब ने मिलकर आध्यात्मिक अभिव्यक्ति का ऐसा स्वर रचा, जिसमें धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर मानवता की बात की गई। गुरु नानक देव जी की पूर्वी भारत यात्रा के दौरान बिहार आगमन का विशेष ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। उनकी यात्राओं के कालक्रम को लेकर विभिन्न स्रोतों में कुछ मतभेद हैं। कुछ ऐतिहासिक विवरण उनकी पहली उदासी का समय 1506 ईस्वी के आसपास बताते हैं। भारतीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत से संबंधित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्ययन में बिहार के उन क्षेत्रों का उल्लेख मिलता है, जहां से गुरु नानक देव जी के गुजरने की परम्परा जुड़ी है। इस विवरण के अनुसार, वे बक्सर के प्राचीन सिद्धाश्रम क्षेत्र से बिहार में प्रवेश कर आरा और छपरा होते हुए पटना पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने हरिहर क्षेत्र के मेले में भी भाग लिया था। ढ्ढ बिहार में गुरु नानक देव जी की यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र पटना रहा है। उस समय पटना गंगा के किनारे बसा एक महत्वपूर्ण व्यापारिक और सांस्कृतिक नगर था। यहां विभिन्न समुदायों के व्यापारी, साधु-संत और धार्मिक विचारों से जुड़े लोग आते-जाते थे। सिख परम्परा के अनुसार, गुरु नानक देव जी यहां भक्त सालिस राय जौहरी के संपर्क में आए थे। सालिस राय प्रतिष्ठित व्यापारी और रत्नों के पारखी थे। उनसे जुड़ी प्रचलित कथा में एक बहुमूल्य रत्न का प्रसंग आता है, जिसके माध्यम से गुरु जी ने मनुष्य जीवन के वास्तविक मूल्य का बोध कराया था। गुरु नानक के विचारों से प्रभावित होकर सालिस राय उनके अनुयायी बने। पटना के गायघाट स्थित गुरुद्वारा पहिला बड़ा गुरु नानक देव जी की यात्रा की स्मृतियों से जुड़ा महत्वपूर्ण स्थल है। इस स्थान का संबंध भक्त जैतामल और सालिस राय की परम्पराओं से भी बताया जाता है। यहां की संगत ने बिहार में गुरु नानक की शिक्षाओं के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गायघाट का गुरुद्वारा आज भी सिख श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है। पटना का महत्व केवल गुरु नानक देव जी की यात्रा के कारण नहीं है। बाद में नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी भी यहां आए और दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म इसी धरती पर हुआ। 1666 ईस्वी में पटना में जन्मे गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिख इतिहास को नई दिशा दी। इस प्रकार पटना सिख धर्म की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक परम्परा में विशिष्ट स्थान रखता है। तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब इसी विरासत का सबसे महत्वपूर्ण प्रतीक है। राजगीर भी गुरु नानक देव जी की बिहार यात्रा से जुड़ा महत्वपूर्ण तीर्थस्थल माना जाता है। प्राचीन काल से ही राजगीर भारतीय आध्यात्मिक चेतना का बड़ा केंद्र रहा है। भगवान बुद्ध और भगवान महावीर की स्मृतियां इस भूमि से जुड़ी हैं। यहां स्थित गर्म जलकुंडों के कारण भी इसकी विशिष्ट पहचान है। स्थानीय सिख परम्परा के अनुसार, गुरु नानक देव जी यहां आए थे। गुरुद्वारा गुरु नानक शीतल कुंड उनकी यात्रा की स्मृति से जुड़ा है। प्रचलित जनश्रुति के अनुसार, यहां गर्म जलस्रोतों के बीच ठंडे पेयजल की कमी से परेशान लोगों को गुरु जी ने जल की उपलब्धता का मार्ग दिखाया था। श्रद्धालु इस घटना को चमत्कार के रूप में याद करते हैं। इस प्रसंग का महत्व स्थानीय आस्था और गुरु नानक के प्रति लोगों की श्रद्धा में निहित है। गया भी गुरु नानक देव जी की बिहार यात्रा से संबंधित परम्पराओं में शामिल है। गया सदियों से हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल रहा है। यहां पिंडदान और श्राद्ध की परम्परा के कारण देशभर से श्रद्धालु आते हैं। गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह था कि मनुष्य की मुक्ति बाहरी आडंबरों से नहीं, बल्कि सच्चे आचरण, ईश्वर के स्मरण और मानव सेवा से संभव है। गया से जुड़ी उनकी यात्रा की मान्यताओं में भी कर्मकांड की अपेक्षा आंतरिक भक्ति और आध्यात्मिक चेतना को महत्व देने का प्रसंग मिलता है। इस क्षेत्र में उनकी यात्रा की स्मृतियां स्थानीय धार्मिक परम्पराओं में आज भी सुरक्षित हैं। बक्सर, आरा और छपरा से जुड़ी गुरु नानक देव जी की यात्रा की परम्पराएं बिहार के सांस्कृतिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण पक्ष हैं। बक्सर के प्राचीन सिद्धाश्रम क्षेत्र से बिहार में प्रवेश करने और गंगा के प्रवाह के साथ आगे बढ़ने का उल्लेख सिख इतिहास से संबंधित विवरणों में मिलता है। इसके बाद आरा और छपरा होते हुए पटना पहुंचने की यात्रा परम्परा प्रचलित है। सोनपुर का हरिहर क्षेत्र भी इस संदर्भ में विशेष महत्व रखता है।

युवा राजनीति से भरोसा खो रहे हैं?

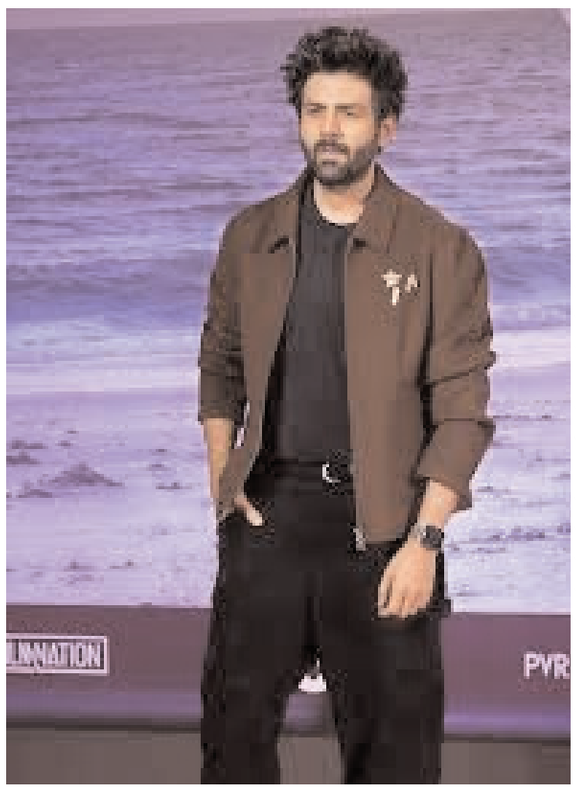
श्रुति व्यास



समय विरोध और असंतोष का है। दिल्ली और मुंबई में बेचैनी है तो यूरोप भी असंतोष की शरद ऋतु से गुजर रहा है। पेरिस में गुस्सा सुलग रहा है। जर्मनी के हैम्बर्ग में बैरिकेड जल रहे हैं। मिलान और ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़पें हैं। अल्बानिया और बेलग्रेड से लेकर केन्या और तुर्की तक युवा सड़कों पर हैं। दक्षिण एशिया में तो जनता के गुस्से ने सरकारें तक गिराई हैं। देश अलग हैं। समस्याएं अलग हैं। मगर सब जगह एक जैसी बेचैनी है। जिस पीढ़ी को अपने माता-पिता से बेहतर जीवन मिलने की उम्मीद थी, वह अब उन्हीं सत्ताधारियों से जवाब मांग रही है जिन्होंने उसे अच्छे दिनों के सपने दिखाए थे। सत्ता की प्रतिक्रिया में कुछ नया नहीं है। सरकारें अव्यवस्था की निंदा करती हैं। टेलीविजन स्टूडियो साजिशें खोजते हैं। और हमेशा की तरह विदेशी हाथ भी बता दिया जाता है। खबरों में जलते बैरिकेड हैं। पुलिस से भिड़ते प्रदर्शनकारी हैं। युवाओं को पकड़कर पुलिस वैन में ठूंसने के दृश्य हैं। मगर यह जानने की फिक्र किसे है कि आखिर ये युवा सड़कों पर उतरे क्यों हैं? उनका गुस्सा किस बात पर है? वे किससे और क्या मांग रहे हैं? विचित्र विरोधाभास है। वर्षों तक युवाओं को राजनीति से उदासीन बताया गया। कहा गया कि वे मोबाइल की स्क्रीन में खोए हैं। घोषणापत्रों से अधिक मीमों में उनकी दिलचस्पी है। लेकिन अब जब उसी पीढ़ी ने स्क्रीन का इस्तेमाल संगठित होने, सवाल पूछने और सत्ता को चुनौती देने के लिए शुरू किया है तो उसकी राजनीतिक जागरूकता ही चिंता का कारण बन गई है। युवा राजनीति से दूर रहें तो शिकायत और राजनीति में उतरें तो साजिश! दरअसल, जवाब उन वादों में है जिन्हें सुनते हुए यह पीढ़ी बड़ी हुई। पढ़ाई से अवसर मिलेंगे। आर्थिक विकास से समृद्धि आएगी। तकनीक जीवन आसान बनाएगी। जेन ज़ी को विश्वास दिलाया गया कि उसका भविष्य पिछली पीढ़ी से बेहतर होगा। सरकारों ने उसकी आकांक्षाओं का उत्सव मनाया। कंपनियों ने उसमें विशाल बाजार खोजा और राजनेताओं ने उसकी भाषा बोलना सीख लिया। मगर बड़े होने पर युवाओं ने क्या पाया? शिक्षा महंगी है, नौकरी अनिश्चित है। घर खरीदना मुश्किल है। करियर का भरोसा नहीं और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उन पेशों का भविष्य भी बदल रहा है जिनके लिए उन्होंने वर्षों पढ़ाई की। अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। शेयर बाजार रिकॉर्ड बना रहे हैं। लेकिन देश की समृद्धि और नौजवान की अपनी आर्थिक सुरक्षा के बीच फासला क्यों बढ़ रहा है? इसमें तकनीक ने एक नई विडंबना पैदा की है। अमीरी, ऐश्वर्य और अच्छे जीवन की तस्वीरें हर समय मोबाइल पर हैं। सब कुछ दिखाई देता है, लेकिन सबकी पहुंच में नहीं है। शायद इसीलिए वह पीढ़ी भी पुराने समय का आकर्षण पाल रही है जिसने वह समय देखा ही नहीं। विनाइल रिकॉर्ड, फिल्म वाले कैमरे, हाथ से लिखे पत्र, धीमी रफ्तार की जिंदगी! इसे फैशन कह सकते हैं। मगर सोचें, जो युवा अतीत में कभी रहे ही नहीं, वे उसमें सुकून क्यों खोज रहे हैं? क्या इसलिए कि भविष्य उन्हें भरोसेमंद नहीं लगता? और असंतोष केवल आर्थिक नहीं है। राजनीति से भी मोहभंग है। केन्या में करों के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन सत्ता के विशेषाधिकारों और जवाबदेही के सवाल तक पहुंचा। तुर्की में विपक्ष पर कार्रवाई के विरोध में छात्र सड़कों पर आए। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध ने भ्रष्टाचार और राजनीतिक परिवारों के विशेषाधिकारों के खिलाफ जमा गुस्से को भड़का दिया। यूरोप में भी अलोकप्रिय नीतियों और राजनीतिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ विरोध है। हर जगह तात्कालिक कारण अलग है, लेकिन सवाल उससे बड़ा है। आखिर सत्ता किसके लिए है और किसके प्रति जवाबदेह है? भारत में यह विरोधाभास और दिलचस्प है। एक दशक से युवाओं को बताया गया कि भारत महान बनने की दहलीज पर है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, युवा आबादी का लाभ और विकसित भारत! बड़े सपने देखो। उद्यमी बनो। दुनिया से मुकाबला करो। मगर इन्हीं सपनों के बीच रोजगार की अनिश्चितता, महंगी शिक्षा, परीक्षाओं के विवाद और अवसरों के लिए निर्मम प्रतिस्पर्धा भी है। सवाल यह नहीं कि देश ने प्रगति नहीं की। सवाल है कि देश की उपलब्धियों का युवाओं के अपने जीवन से कितना मेल है? देश अमीर हो रहा हो, लेकिन उसका नौजवान अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित हो तो वह विकास को कैसे समझेगा? इतिहास में इसकी गूंज है। मई 1968 में पेरिस के छात्रों ने विश्वविद्यालयों की जकड़ी व्यवस्था और चार्ल्स द गॉल की सत्ता को चुनौती दी। मजदूर भी साथ आए। फ्रांस हिल गया। वह विद्रोह केवल आर्थिक शिकायतों का नहीं था। समाज की आकांक्षाएं बदल चुकी थीं, लेकिन सत्ता और संस्थाएं पुराने ढर्रे पर थीं। द गॉल तत्काल संकट से बच गए, मगर उस आंदोलन ने बता दिया कि सत्ताधारी अपनी नई पीढ़ी को कितना कम समझते हैं। आज का पेरिस 1968 का पेरिस नहीं है। आज के युवाओं के पास वैसी वैचारिक प्रतिबद्धता, संगठन या क्रांति का सपना भी जरूरी नहीं। तब घोषणापत्र, बौद्धिक बहस और छात्र संगठन थे। आज मीम, व्यंग्य और डिजिटल नेटवर्क हैं। एक मजाक नारा बनता है। नारा प्रदर्शन में बदलता है और प्रदर्शन कभी राजनीतिक संकट पैदा कर देता है। राजनीतिक चेतना है, मगर किसी पार्टी के प्रति स्थायी निष्ठा हो, यह जरूरी नहीं। यहीं स्थापित राजनीतिक दलों की मुश्किल है। वे मानते आए हैं कि मतदाता सरकार से नाराज होगा तो विपक्ष के पास जाएगा। लेकिन ऐसा क्यों हो? युवा सरकार को खारिज कर सकता है, बिना विपक्ष पर भरोसा किए। किसी नीति का विरोध कर सकता है, बिना किसी विचारधारा का समर्थक बने। सड़क पर उतर सकता है, बिना किसी पार्टी का झंडा उठाए। राजनीति में दिलचस्पी और राजनीतिक दलों के प्रति निष्ठा दो अलग बातें हैं। सरकारें विपक्षी पार्टियों से लड़ना जानती हैं। नेताओं पर हमले, आरोप-प्रत्यारोप, चुनावी मुकाबले, सब आजमाए हुए तरीके हैं। मगर उस गुस्से का क्या करें जो किसी पार्टी ने पैदा नहीं किया? जिसे किसी नेता के बयान से शांत नहीं किया जा सकता? उधर विपक्ष भी यह मानकर नहीं चल सकता कि सरकार के खिलाफ हर प्रदर्शन उसके समर्थन में है। संभव है कि युवा सत्ता और विपक्ष, दोनों से एक साथ सवाल कर रहे हों। दक्षिण एशिया ने इस गुस्से की ताकत दिखाई है। श्रीलंका में 2022 के आर्थिक संकट के दौरान प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति आवास तक पहुंच गए। बांग्लादेश में 2024 के छात्र आंदोलन ने शेख हसीना के लंबे शासन का अंत किया। नेपाल में 2025 के युवा विद्रोह के बीच केपी शर्मा ओली को पद छोड़ना पड़ा। मगर सरकार गिराना और बेहतर व्यवस्था बनाना एक बात नहीं है। अरब स्प्रिंग याद करें। मिस्र में मुबारक गए, मगर लोकतंत्र स्थायी नहीं हुआ। लीबिया संघर्ष में फंस गया और सीरिया विनाशकारी गृहयुद्ध में। जनविद्रोह परिवर्तन की शुरुआत हो सकता है, उसकी सफलता की गारंटी नहीं। लेकिन इन आंदोलनों में एक फर्क समझना जरूरी है। एक पीढ़ी वह होती है जो नई दुनिया बनाने का सपना लेकर विद्रोह करती है। दूसरी वह जो पूछती है कि जिस दुनिया का वादा किया गया था, वह बनी क्यों नहीं? पहली के पास कोई विचार, आदर्श या मंजिल होती है। दूसरी के पास टूटे भरोसे का अनुभव है। वह पुराने जवाब मानने को तैयार नहीं, मगर जरूरी नहीं कि उसके पास नए जवाब हों। आज के युवा असंतोष में यही सवाल प्रमुख है। नौजवानों को केवल सरकार बदलने से क्या मिलेगा? रोजगार, शिक्षा, आवास और भविष्य की सुरक्षा के सवाल क्या सत्ता परिवर्तन से हल हो जाएंगे? और यदि विपक्ष भी उन्हीं पुराने राजनीतिक तौर-तरीकों में उलझा है तो उस पर भरोसा क्यों किया जाए? इसलिए पेरिस, नैरोबी, काठमांडू और दिल्ली को एक ही राजनीतिक आंदोलन का हिस्सा मानना गलत होगा। हर देश की परिस्थितियां अलग हैं। हर प्रदर्शन क्रांति का संकेत नहीं है। मगर सबको युवाओं की अधीरता या सोशल मीडिया का क्षणिक उबाल बताकर खारिज करना भी ठीक नहीं। सरकारों ने युवाओं तक पहुंचने के तमाम तरीके सीख लिए हैं। वे उनकी स्क्रीन पर हैं। उनकी भाषा बोलती हैं। उनके लिए वीडियो, रील और मीम बनवाती हैं। उनकी पसंद-नापसंद का अध्ययन करती हैं। चुनावी प्रचार को डिजिटल मनोरंजन में बदल देती हैं। मगर क्या वे युवाओं के सवाल सुनने को भी उतनी ही तैयार हैं? असल मुश्किल यही है। सत्ताधारी जानते हैं कि नौजवानों का ध्यान कैसे खींचना है, लेकिन जब नौजवान जवाब मांगने लगें तो क्या कहना है? उन्हें राष्ट्र की उपलब्धियां गिनाई जा सकती हैं, भविष्य के सपने दिखाए जा सकते हैं, विरोधियों की नीयत पर सवाल उठाए जा सकते हैं। मगर नौजवान का अपना सवाल तो फिर भी बना रहता है। पढ़ाई की, मेहनत की, सपने देखे, अब आगे क्या? और शायद राजनीति के लिए सबसे बड़ा सवाल भी यही है। जिस पीढ़ी को राजनीति से उदासीन समझा गया, वह अब राजनीति से जवाब मांग रही है। लेकिन सत्ता और विपक्ष, दोनों के सामने चुनौती है कि क्या वे उसे अपने पुराने वादों से अलग कुछ ठोस दे सकते हैं? आखिर युवा राजनीति से भाग नहीं रहे। वे उस राजनीति पर भरोसा खो रहे हैं जो उनके भविष्य की बातें तो बहुत करती है, मगर उनके वर्तमान का जवाब नहीं देती।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, मंगलवार 24 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

दुनिया कुछ भी कहे, अपने सपनों पर विश्वास रखें': 'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने दिया प्रेरणादायक संदेश



मुंबई फिल्म आई प्ले रॉकी के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व को लेकर एक दिल छू लेने वाला संदेश दिया। फिल्म को सपने देखने वालों और अपने सपनों पर विश्वास करने वालों की कहानी बताते हुए अभिनेता ने कहा कि यह उन सभी लोगों से जुड़ाव महसूस कराएगी, जिन्हें कभी न कभी यह कहा गया है कि उनकी महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं हो सकतीं।

अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा, यह फिल्म उन सभी लोगों के बारे में है, जो सपने देखते हैं और अपने सपनों पर विश्वास करते हैं। ऐसे लोग, जिनसे अक्सर कहा जाता है कि 'नहीं हो सकता, यह तू कभी नहीं बन सकता, यह कभी नहीं बन सकती।' मेरा मानना है कि यह फिल्म आपको विश्वास दिलाएगी कि आप यह कर सकते हैं और अपने सपनों को हासिल कर सकते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए।

अपने सफर से फिल्म की तुलना करते हुए कार्तिक ने बताया कि किस तरह ओरिजिनल फिल्म रॉकी कई पीढ़ियों को प्रेरित करती आई है। उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म का मशहूर गाना आई ऑफ द टाइगर मुश्किल वक्त में उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, मेरे सफर में कई बार ऐसा हुआ है कि जब भी मैं खुद को निराश महसूस करता हूं, तो 'आई ऑफ द टाइगर' एक ऐसा गाना है, जो मेरे लिए थीम सॉन्ग की तरह है और मुझे बहुत प्रेरित करता है। इसके बाद मैं बाकी चीजों से ध्यान हटाकर दोबारा अपने सपनों की दिशा में काम करना शुरू कर देता हूं।

कार्तिक की ये बातें उस समय और भी खास हो गईं, जब उन्होंने ऐसे संदेश पर बात की, जो फिल्म इंडस्ट्री में उनके अपने सफर से काफी हद तक जुड़ा हुआ है। चुनौतियों का सामना करने से लेकर अपनी अलग पहचान बनाने तक, कार्तिक की कहानी फिल्म के बड़े संदेश यानी दृढ़ता और आत्मविश्वास को दर्शाती है। प्रीमियर पर उनकी स्पीच ने इस बात को रेखांकित किया कि आलोचनाओं, असफलताओं और दूसरों की सोच की परवाह किए बिना अपने सपनों पर ध्यान केंद्रित रखना कितना जरूरी है।

फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कार्तिक ने सिनेमा और आई प्ले रॉकी के नाम एक जाम उठाया। साथ ही उन्होंने दर्शकों से फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन मिस न करने की अपील की। उन्होंने बताया कि वह खुद फिल्म देख चुके हैं और इसे दोबारा देखने की योजना बना रहे हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन दर्शकों के लिए एक प्यारा सा सरप्राइज है। प्रीमियर पर अपनी बातों के जरिए कार्तिक ने दर्शकों को एक खास संदेश दिया कि अपने सपनों पर विश्वास रखें, उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते रहें और किसी को भी यह न कहने दें कि आप अपने सपने पूरे नहीं कर सकते।

वाराणसी : बॉलीवुड अभिनेता रजा मुराद ने पेश की गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल, बजरंगबली के किए दर्शन

धर्मनगरी काशी में गंगा-जमुनी तहजीब की अनूठी मिसाल देखने को मिली। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रजा मुराद ने वाराणसी में बजरंगबली के दर्शन किए और अपनी श्रद्धा व्यक्त की। मुस्लिम धर्म से ताल्लुक रखने वाले रजा मुराद ने भगवान हनुमान और प्रभु श्रीराम के प्रति अपनी आस्था जताई, जिसकी चर्चा अब सोशल मीडिया पर भी हो रही है। रजा मुराद वाराणसी के हरहुआ स्थित 51 फीट ऊंची वरद अंजनेय हनुमान जी की प्रतिमा के दर्शन करने पहुंचे। मंदिर पहुंचकर उन्होंने हनुमान जी की भव्य प्रतिमा के दर्शन किए और मंदिर की भव्यता की जमकर सराहना की। अभिनेता ने खुद वीडियो बनाकर हनुमान जी की भक्ति और शक्ति का वर्णन किया। इस वीडियो में काशी की धार्मिक आस्था और सौहार्द की झलक साफ देखने को मिली। रजा मुराद ने तीन दिन पहले अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से यह वीडियो साझा किया था। वीडियो साझा करते ही यह पोस्ट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। लोग उनकी इस पहल की सराहना कर रहे हैं और इसे हिंदू-मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे की मिसाल बता रहे हैं।



वीडियो संदेश में रजा मुराद ने कहा, वाराणसी से बाबतपुर एयरपोर्ट जाते वक्त हनुमान जी की विशाल मूर्ति दिख रही, जिसका नाम है- वरद आंजनेय मंदिर। दो साल पहले इस मूर्ति की स्थापना हुई थी। जहां तक हनुमान जी का सवाल है। पूरी दुनिया उनसे बहुत प्रेम करती है और उनकी पूजा करती है। श्रीराम चंद्र के लिए उनके मन में जो श्रद्धा थी और वफादारी थी, वह अपने आप में जीती-जागती एक मिसाल है। मैंने सोचा इसे अपने फैंस के साथ शेयर किया जाए। लव यू ऑल।रजा मुराद के इस वीडियो को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। काशी में उनकी इस यात्रा को गंगा-जमुनी तहजीब की जीवंत तस्वीर के रूप में देखा जा रहा है। वाराणसी को वैसे भी धर्म, संस्कृति और सौहार्द की नगरी माना जाता है। यहां हर धर्म के लोग एक-दूसरे के पर्व और आस्था का सम्मान करते हैं। ऐसे में एक मुस्लिम अभिनेता का हनुमान मंदिर जाकर दर्शन करना और अपनी श्रद्धा व्यक्त करना इस परंपरा को और मजबूत करता है।

हरहुआ स्थित वरद अंजनेय मंदिर में 51 फीट ऊंची हनुमान जी की प्रतिमा लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। वाराणसी से बाबतपुर एयरपोर्ट जाने वाले रास्ते पर यह प्रतिमा दूर से ही नजर आती है। दो साल पहले स्थापित हुई इस प्रतिमा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं।

अपेक्षा पोरवाल ने जेलर-2 में रजनीकांत के साथ अपने अनुभव को बताया सपने के सच होने जैसा



अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म जेलर 2 में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने आगे कहा, जेलर 2 में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग जितने ज्यादा बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है।फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है

लारा दत्ता की कलाई में फंसा कंगन, आरी से काटकर निकाला

फिल्मों में कलाकारों के शरीर नजर आने वाले भारी गहने और शानदार पोशाकें किसी भी रोल को खास बना देते हैं। दर्शकों को बड़े पर्दे पर कलाकारों का तैयार लुक दिखाई देता है, लेकिन उस रूप को हासिल करने के लिए स्टार्स और कॉस्ट्यूम टीम को कई तरह की चुनौतियों से गुजरना पड़ता है।

खुद को आकर्षक दिखाने के लिए इन आभूषणों को पहनना और लंबे समय तक संभालना कई बार स्टार्स के लिए मुश्किल बन जाता है। ऐसा ही कुछ एक्ट्रेस लारा दत्ता के साथ फिल्म रामायण की शूटिंग के दौरान हुआ। फिल्म में कैकेयी का रोल निभा रहीं लारा दत्ता की कलाई में एक भारी कंगन इस कदर फंस गया कि उसे निकालने के लिए टीम को आरी का सहारा लेना पड़ा। एक्ट्रेस ने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। एक्ट्रेस लारा दत्ता ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें वह अपनी वैनिटी वैन में बैठी नजर आ रही हैं। इस दौरान लारा दत्ता की कलाई में ट्रेडिशिनल डिजाइन वाला एक भारी कंगन फंसा हुआ दिखाई देता है। सामान्य तरीके से उसे निकालने की कोशिश की गई, लेकिन निकाल नहीं पाई। पौराणिक फिल्मों में भूमिकाओं को उस दौर के अनुरूप दिखाने के लिए खास तरह के कपड़े और ज्वैलरी तैयार किए जाते हैं।

प्रेगनेंसी के शुरुआती 3 महीने थे बहुत कठिन, महिलाओं का साथ जरूरी : कियारा आडवाणी



अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपने गर्भावस्था के अनुभव के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि शुरुआती कुछ मुश्किल महीनों में उन्हें अपने जीवन की अन्य महिलाओं से किस तरह का सपोर्ट और समझ मिली। कियार एक बच्चे की मां हैं। उन्होंने फिल्म निर्माता करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में अपनी गर्भावस्था के सफर के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि शुरुआती महीने काफी चुनौतीपूर्ण थे, क्योंकि उन्हें जी मिचलाने और हार्मोनल बदलावों का सामना करना पड़ा था। शो के दौरान कियारा ने कहा था, शुरुआती तीन महीने बहुत कठिन थे। आपको जी मिचलाने की समस्या और कई तरह के हार्मोनल बदलावों से गुजरना पड़ता है।

यह याद करते हुए कि कैसे उन्होंने और उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शुरुआत में किसी को भी गर्भावस्था के बारे में न बताने का फैसला किया था, कियारा ने बताया कि जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें अपने आस-पास की महिलाओं के सहारे की जरूरत है।

उन्होंने बताया, उस समय हमने सोचा था कि हम किसी को नहीं बताएंगे। लेकिन फिर मैंने कहा, नहीं सिड, मुझे अपनी मां से बात करनी है, मुझे अपनी सास की जरूरत है। मुझे महिलाओं की जरूरत है। मुझे अपने जीवन में ऐसी महिलाओं की जरूरत है जो मुझे समझ सकें।

अभिनेत्री ने कहा कि महिलाओं के बीच साझा किए गए ऐसे अनुभवों ने उन्हें इस नाजुक दौर में काफी सुकून दिया।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि कभी-कभी मैं अपनी सहेलियों के साथ बैठकर रोती थी और वे बस मुझे वैसे ही रहने देती थीं (बिना कुछ कहे मुझे सहारा देती थीं)। और फिर, जिंदगी खूबसूरत हो जाती है।

कियारा 7 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपनी दूसरी गर्भावस्था की घोषणा भी कर चुकी हैं। अपनी बेटी साराया के छोटे से हाथ की एक तस्वीर साझा करते हुए, जिसमें उसने बच्चों के मोजे पकड़े हुए हैं, उन्होंने लिखा, हमें एक बार फिर सबसे बड़ा उपहार मिला है। हमारा दिल प्यार और कृतज्ञता से भरा हुआ है।

समय रैना ने पोस्टर शेयर कर बढ़ाई हलचल

हाल ही में कॉमेडियन समय रैना ने अपने इंस्टाग्राम स्टीर पर करण जौहर के मशहूर चैट शो कॉफी विद करण का एक पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर शेयर करने के बाद से समय रैना को लेकर लगातार अटकलें लगायी जा रही है कि समय करण जौहर के शो में नजर आ सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समय रैना अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड मेधा शंकर के साथ करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण 9 में नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि समय रैना वाला एपिसोड इस सीजन का लास्ट सेकेंड एपिसोड हो सकता है। हालांकि इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आयी है। सबसे दिलचस्प बात तो ये है कि समय रैना के इस शो में आने की खबरें पहले भी आ चुकी है। एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान शो के होस्ट करण जौहर ने कॉफी विद करण 9 की गेस्ट लिस्ट और एपिसोड की प्लानिंग को लेकर बात की थी।

इस लिस्ट में समय रैना, तन्मय भट्ट और फराह खान के साथ एक एपिसोड का जिक्र किया था। करण जौहर ने बताया था कि इस सीजन में मेहमानों को चुनते समय उन्होंने अपनी पसंद और उनके साथ अपनी बॉन्डिंग को ध्यान में रखा।

मैं डिप्रेशन से जूझ रहा हूं, मेरी मदद करेः शरद कपूर

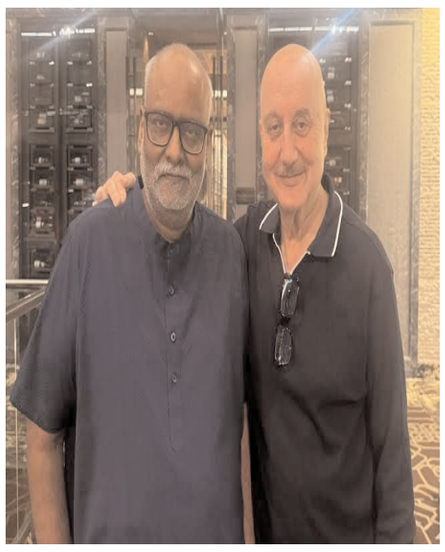


बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता शरद कपूर ने फिल्म जगत से एक बार फिर मदद की अपील की है। एक वीडियो जारी कर अभिनेता कहा है कि मैं मैं डिप्रेशन से जूझ रहा हूं, मेरी मदद करे। अभिनेता ने कहा है कि उन्हें ''आर्थिक, नैतिक और मानसिक'' रूप से मदद की जरूरत है तथा वह अवसाद से जूझ रहे हैं।

अभिनेता की यह अपील उनके द्वारा जारी किये गए एक वीडियो के बाद आई है जिसमें उन्होंने फिल्मों, टेलीविजन और ओटीटी मंचों पर काम देने के लिए इसी तरह की गुहार लगाई थी। शरद कपूर की अब तक की आखिरी फिल्म 2019 की कैबरे रही, जिसमें उन्होंने प्रमुख भूमिका निभाई थी। कपूर का अपने चार पालतू कुत्तों को विदाई देते और उन्हें कुछ समय के लिए पशु कल्याण केंद्र में भेजने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। शनिवार को साझा किए गए एक वीडियो में उनके साथ उनकी दोस्त और बेजुबान पब्लिक वेलफेयर ट्रस्ट की संस्थापक हेमा चौधरी भी नजर आईं। उन्होंने भी कपूर के लिए मदद की अपील की। कपूर ने एनजीओ द्वारा साझा किए गए वीडियो में कहा, ''मैं अवसाद में था, लेकिन अब मैं फिल्म जगत से अपील कर रहा हूं। मुझे आर्थिक, नैतिक और मानसिक रूप से मदद की जरूरत है।''मुंबई। अभिनेता शरद कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री के अपने वरिष्ठ कलाकारों से काम दिलाने और मदद करने की अपील की है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में वह सलमान खान, शाहरुख खान, अक्षय कुमार और अभिनेत्री कुनिका सदानंद समेत फिल्म जगत के लोगों से सहयोग मांगते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में शरद कपूर ने कहा कि उन्हें काम की जरूरत है और वह दोबारा फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय होना चाहते हैं। उन्होंने वरिष्ठ कलाकारों को अपना आदर्श बताते हुए उनसे मदद की अपील की। उनके इस वीडियो को पशु अधिकार कार्यकर्ता हेमा चौधरी ने साझा किया है। हेमा चौधरी ने कहा कि शरद कपूर की मानसिक, शारीरिक और आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और वह फिर से काम करना चाहते हैं। उन्होंने फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों से अपील की कि वे अभिनेता की स्थिति को समझें और उन्हें काम का अवसर दें। शरद कपूर ने 1990 और 2000 के दशक में कई चर्चित फिल्मों में काम किया है।

22 किलो वजन घटाकर बदले-बदले नजर आए एम. एम. कीरावानी, देखकर हैरान रह गए अनुपम खेर

अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में हैदराबाद में ऑस्कर विनिंग कंपोजर एम. एम. कीरावानी से मुलाकात की। अभिनेता ने बताया कि कंपोजर ने 22 किलो वजन कम कर लिया है, जिसे देखकर वह खुद हैरान रह गए। अभिनेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कंपोजर को लेकर पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने एम. एम. कीरावानी के डेडिकेशन और फोकस की तारीफ करते हुए बताया कि इस ट्रांसफॉर्मेशन के बाद म्यूजिक डायरेक्टर पहले से ज्यादा खुश और कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने लिखा, मिस्टर कीरावानी, मेरे सबसे प्यारे दोस्त, ऑस्कर विनिंग म्यूजिक डायरेक्टर एम. एम. कीरावानी सर ने कमाल करते हुए 22 किलो वजन कम किया है और उनका डेडिकेशन सच में इंस्पायर करने वाला है। हैदराबाद ट्रिप के दौरान उनसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। उनके अंदर फ्रेश एनर्जी और दुनिया को जीतने का साहस था। उनकी चाल में एक प्यारा सा जोश था और उन्हें इतना खुश और कॉन्फिडेंट देखकर मुझे बहुत गर्व हुआ।



उन्होंने आगे लिखा, कीरावानी सर, आप म्यूजिक के जीनियस हैं और अब आपने हमें दिखा दिया है कि फोकस और डेडिकेशन से क्या-क्या मुमकिन है। मेरे दोस्त, आपके इस इंस्पायरिंग नए चैप्टर के लिए शुभकामनाएं। आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। जय हो।

अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों नितेश तिवारी की रामायण में जटायु के किरदार को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म में जटायु का रूप वीएफएक्स के जरिए तैयार किया गया है और इस शानदार किरदार को अनुपम खेर ने अपने वॉइस-ओवर और भावनात्मक अंदाज से जीवंत किया है।

जब रावण माता सीता का अपहरण करके लंका ले जा रहा था, तब जटायु ने माता सीता को बचाने के लिए रावण के साथ भयंकर युद्ध किया था। हालांकि, युद्ध में घायल होने के कारण वे सीता को बचा नहीं पाते, लेकिन उन्होंने ही भगवान राम को सीता के अपहरण और रावण की दिशा के बारे में जानकारी दी थी। राजा दशरथ के पुराने मित्र के रूप में जटायु का यह बलिदान फिल्म के सबसे भावुक दृश्यों में शामिल है।

फिल्म रामायण के रिलीज होने के बाद जटायु के किरदार की जमकर सराहना हो रही है।

00

रोज पांच मिनट करें चक्की चालनासन, पाचन मजबूत और कमर भी होगी लचीली



आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को स्वस्थ और फिट रखना बहुत बड़ी चुनौती है। ऐसे में योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन को शांत रखने में भी मदद करता है। चक्की चालानासन एक ऐसा योगाभ्यास है, जिसमें शरीर को चक्की चलाने जैसी गति में घुमाया जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, चक्की चालनासन पारंपरिक रूप से हाथ से अनाज पीसने की चक्की चलाने की गति पर आधारित एक बैठकर किया जाने वाला योगासन है। यह आसन मुख्य रूप से पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने, पाचन सुधारने और शरीर में लचीलापन बढ़ाने के लिए किया जाता है। चक्की चालनासन को शुरुआती अभ्यासकर्ता आसानी से कर सकते हैं, बस इसे करते समय सांसों की गति और शरीर के संतुलन का ध्यान रखना जरूरी होता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर में लचीलापन बढ़ाने और पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में भी मदद मिल सकती है।

चक्की चालनासन महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि इसे करते समय पेट के निचले हिस्से और पेल्विक एरिया की मांसपेशियों पर सीधा असर पड़ता है। जब अभ्यासकर्ता इस आसन में शरीर को गोल-गोल घुमाते हैं, तो पेट और कमर की मांसपेशियां बारी-बारी से खिंचती और सिकुड़ती हैं। इससे यूटेरस और ओवरी के आसपास ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। अच्छा ब्लड फ्लो मिलने से ये अंग सक्रिय रहते हैं और इनकी कार्यक्षमता भी बेहतर होती है।

इस आसन से पेल्विक मांसपेशियां लचीली होती हैं, जिससे पीरियड्स के दौरान होने वाली ऐंठन और भारीपन कम महसूस होता है। इसके नियमित अभ्यास से हार्मोनल संतुलन को बनाए रखने में मदद मिलती है, जिससे पीरियड्स का चक्र धीरे-धीरे नियमित होने लगता है।

वहीं, पीरियड्स के समय पाचन बिगड़ना आम बात है। यह आसन आंतों की मालिश जैसा काम करता है, जिससे कब्ज, गैस और पेट फूलने की समस्या कम होती है। गर्भवती महिलाओं और हाल ही में पेट या हर्निया की सर्जरी कराने वाले लोगों को बिना विशेषज्ञ की सलाह के इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, मंगलवार 24 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

ट्रंप, जिनपिंग और पुतिन की मुलाकात चीन के ऐतिहासिक काइलीन विला में हुई

इस विला के निर्माण के पीछे भी एक बेहद दिलचस्प अध्याय छिपा है



बीजिंग। जब दुनिया के तीन सबसे शक्तिशाली लोग डोनाल्ड ट्रंप, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन एक ही छत के नीचे चीन में जुटे हैं, तो वह जगह महज ईंट-पत्थर की कोई सामान्य इमारत तो नहीं हो सकती। दक्षिणी चीन के आधुनिक शहर शेनझेन में हुई इस ऐतिहासिक त्रिपक्षीय बैठक के लिए बीजिंग ने एक बेहद शांत, रहस्यमयी और प्रकृति की गोद में छिपे काइलीन विला को चुना। इस हाई-स्टेक मुलाकात से पहले पूरे इलाके को एक अभेद्य किले में तब्दील कर दिया गया, जिससे दुनिया भर की नजरें इस आलीशान ठिकाने पर टिक गईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक काइलीन विला की भव्यता और गोपनीयता अक्सर लोगों को यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या यह किसी अरबपति उद्योगपति की निजी जागीर है, लेकिन हकीकत यह है कि शेनझेन शहर में स्थित यह विला किसी निजी व्यक्ति की संपत्ति नहीं, बल्कि चीनी सरकार और शेनझेन म्युनिसिपल गवर्नमेंट के स्वामित्व वाला एक गेस्टहाउस है। इसे स्थानीय स्तर पर किलिन माउंटेन विला के नाम से जाना जाता है। पांच सितारा सुविधाओं से लैस इस सरकारी अतिथि गृह को मुख्य रूप से चीन आने वाले शीर्ष विदेशी राष्ट्राध्यक्षों, शाही मेहमानों और अत्यंत संवेदनशील कूटनीतिक वार्ताओं की मेजबानी के लिए बनाया गया है। रणनीतिक और प्राकृतिक रूप से काइलीन विला की बनावट इसे दुनिया के बाकी सरकारी आवासों से बिल्कुल अलग बनाती है। रिपोर्ट के मुताबिक शेनझेन के नानशान जिले में किलिन पर्वत की तलहटी और खूबसूरत शिली झील के किनारे बसा यह परिसर करीब 3,80,000 वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र में फैला है। इस पूरे इलाके का 90 फीसदी से ज्यादा हिस्सा घनी हरियाली से ढका है, जहां 230 से ज्यादा दुर्लभ प्रजातियों के पेड़-पौधे और फूल खिले रहते हैं। एक तरफ पहाड़, दूसरी तरफ शांत झील और बेहद सीमित प्रवेश द्वार होने के कारण यह जगह प्राकृतिक रूप से इतनी सुरक्षित है कि यहां शीर्ष वैश्विक नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था को अंजाम देना एजेंसियों के लिए बेहद आसान हो जाता है। इस विला के निर्माण के पीछे भी एक बेहद दिलचस्प ऐतिहासिक अध्याय छिपा है। इसका संचालन साल 1997 में उस वक्त शुरू किया गया था, जब हांगकांग का चीन में ऐतिहासिक विलय होने जा रहा था। उस दौर में शेनझेन के रास्ते हांगकांग जाने वाले शीर्ष राजकीय नेताओं और करीब 1000 तक विशिष्ट मेहमानों की शाही मेहमाननवाजी के लिए इसे विशेष रूप से तैयार किया गया था। तब से लेकर आज तक यह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा रिसेप्शन केंद्र बना हुआ है, जहां बंद दरवाजों के पीछे दुनिया की दिशा तय करने वाले बड़े फैसले लिए जाते हैं।



कोलंबो में श्रीलंकाई बंदरगाह से जुड़ा एक कर्मचारी एक टैंकर से तेल के रिसाव के वाद वहां जारी सफाई अभियान में भाग लेते हुए। इस रिसाव से पानी में चारों ओर तेल फैल गया जिससे मछलियों के लिए खतरा पैदा हो गया।

कुख्यात ड्रग तस्कर की गिरफ्तारी से सिनालोआ राज्य में भड़की हिंसा

मैक्सिको में पूरा शहर ठप, हेलीकॉप्टर से गोलीबारी

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको में एक कुख्यात ड्रग तस्कर की गिरफ्तारी के बाद सिनालोआ राज्य में हालात बेकाबू हो गए हैं। तस्करों के सरगना फॉस्ट्रो इसिड्रो मेजा फ्लोरेस उर्फ एल चापो इसिड्रो की गिरफ्तारी के बाद उसके गुर्गों ने पूरे राज्य में हिंसक उत्पात मचाया, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जगह-जगह ट्रकों और गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। हालात इतने बेकाबू हो गए हैं कि सैन्य हैलीकॉप्टरों से भी गोलीबारी करके तस्करों का सामना करने का प्रयास किया जा रहा है। इसिड्रो की गिरफ्तारी अमेरिकी खुफिया एजेंसी और मैक्सिकन सेना समेत कई एजेंसियों के संयुक्त सहयोग से की गई। बताया गया है कि यह पूरा मिशन शुक्रवार को चलाया गया था। उस वक्त भी दोनों पक्षों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। 44 वर्षीय इसिड्रो और उसके साथियों ने सुरक्षाबलों की टीम पर हमला कर दिया, जिसके बाद गोलीबारी पूरे शहर में फैल गई। घंटों चली कार्रवाई के बाद अंतत: तीनों को गिरफ्तार किया गया। मैक्सिकन रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इसिड्रो की गिरफ्तारी अमेरिकी खुफिया विभाग की रिपोर्ट के आधार पर की गई थी, लेकिन इसे गिरफ्तार करना आसान नहीं रहा। जैसे ही गिरफ्तारी की खबर सामने आई, इसिड्रो के गुर्गों ने शहर को निशाना बनाना शुरू कर दिया। उन्होंने जमकर उत्पात मचाते हुए शहर के राजमार्गों को बंद कर दिया और लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर निकाला जाने लगा। घटना के बारे में जानकारी देते हुए सिनोलोआ की अंतरिम गवर्नर ग्रेसिएला डोमिंग्वेज ने बताया कि हालात को काबू में करने की कोशिशें जारी हैं और फिलहाल लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। हालांकि, अभी भी कई लोग हाईवे पर फंसे हुए हैं। यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब मैक्सिको पर अमेरिकी राष्ट्रपति का भारी दबाव है कि वह दक्षिणी सीमा पर सक्रिय ड्रग तस्करी नेटवर्कों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज करे।

निखिल को जेल हुई पर, अभी भी खुले हैं कई कानूनी विकल्प

न्यूयॉर्क। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को अमेरिकी अदालत ने 235 महीने यानी लगभग 19 साल 7 महीने कैद की सजा सुनाई है। हालांकि, इस लंबी सजा के बावजूद अमेरिकी कानून में उनके पास कुछ कानूनी विकल्प अभी भी खुले हैं। निखिल गुप्ता के पास सजा के खिलाफ अपील करने का विकल्प है। अपील का मुख्य आधार सजा तय करने में हुई कानूनी या प्रक्रियागत गलतियां हो सकती हैं। हालांकि, फरवरी 2024 में आरोपों को स्वीकार कर लेने के कारण यह रास्ता काफी चुनौतीपूर्ण होगा। यदि अपील कोर्ट से भी राहत नहीं मिलती, तो वे अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से मामला सुनने की अपील कर सकते हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट बहुत कम याचिकाएं स्वीकार करता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि गुप्ता ने फरवरी 2024 में अपने खिलाफ लगे तीनों आरोपों - हत्या के लिए सुपारी देने, हत्या की साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश - को स्वीकार कर लिया था, जिससे उनकी कानूनी लड़ाई का दायरा सीमित हो गया है। निखिल गुप्ता का मामला न्यूयॉर्क की साउदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में चला। अमेरिकी संघीय अदालतों की व्यवस्था तीन स्तरों में बंटी है, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, कोर्ट ऑफ अपील्स और सुप्रीम कोर्ट।

लीबिया में रूसी युद्धपोत पर ड्रोन हमला

लीबिया। लीबिया के बेनगाजी नौसैनिक अड्डे पर यूक्रेन के संदिग्ध ड्रोन ने रूस के एक युद्धपोत 'मर्कुरी' को टारगेट किया। अधिकारियों ने बताया कि हमले में रूसी नौसेना के कार्वेट युद्धपोत को भारी नुकसान पहुंचा और नौसैनिक अड्डे पर भीषण आग लग गई। उत्तरी अफ्रीकी देश में हुई यह घटना रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़ी है। लीबियाई सैन्य अधिकारियों के अनुसार, पश्चिमी लीबिया में यूक्रेनी बलों के नियंत्रण वाले एक अड्डे से कई समुद्री ड्रोन छोड़े गए थे। शुरुआती जांच में पता चला है कि कम से कम चार ड्रोन को बीच में ही रोककर नष्ट किया गया, जबकि दो ड्रोन युद्धपोत से टकराने में कामयाब रहे। पूर्वी लीबिया की सरकार ने हमले की परिस्थितियों, स्रोत और जिम्मेदार पक्ष का पता लगाने के लिए रूस के साथ एक संयुक्त जांच शुरू कर दी है।

चीन ने बिछाई 195 किमी लंबी पाइपलाइन, खत्म होगी ईंधन की किल्लत

बीजिंग। पेट्रोल और डीजल के विकल्पों की तलाश में दुनिया भर में जारी प्रयासों के बीच, प्योर हाइड्रोजन फ्यूल एक बड़े गेमचेंजर के रूप में उभर रहा है। यह एक ऐसा स्वच्छ और शक्तिशाली ईंधन है, जो जलने या फ्यूल सेल में इस्तेमाल होने पर धुएं या जहरीली कार्बन डाइऑक्साइड की बजाय केवल साफ पानी छोड़ता है। यह आने वाले समय में सड़क पर दौड़ने वाली कारों, ट्रकों और बसों के साथ-साथ भारी उद्योगों जैसे स्टील और एविएशन सेक्टर में प्रदूषण घटाने में बड़ी मदद कर सकता है। इस नए ईंधन को आम लोगों और उद्योगों तक सस्ते में पहुंचाने की दिशा में चीन ने एक बड़ा कदम उठाया है। उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया के औद्योगिक शहर बाओतोउ में 195 किलोमीटर लंबी एक खास पाइपलाइन ने काम करना शुरू कर दिया है। यह चीन की पहली ऐसी लंबी दूरी की पाइपलाइन है, जिसे 100 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक सिर्फ प्योर हाइड्रोजन पहुंचाने के लिए तैयार किया गया है। इस कदम को स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति लागत घटाने की दिशा में एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।हाइड्रोजन के भंडारण और परिवहन की ऊंची लागत अब तक इसके बड़े पैमाने पर इस्तेमाल में बाधा बनी हुई थी। सड़क मार्ग से टैंकरों द्वारा लंबी दूरी तक गैस ले जाना बेहद महंगा होता था, और पाइपलाइन बनाना तकनीकी रूप से भी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि यह गैस अत्यधिक संवेदनशील और ज्वलनशील होती है। पाइपलाइन के जरिए आपूर्ति शुरू होने से डिलीवरी की लागत में भारी कमी आने की उम्मीद है, जिससे पूरे देश में ऐसा बुनियादी ढांचा तैयार करने को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना से जुड़े जानकारों के अनुसार, इस बुनियादी ढांचे की सालाना परिवहन क्षमता 1 लाख टन मंजूर की गई है। सबसे चौंकाने वाली बात इसकी लागत है।

छोटे द्वीपीय देशों के लिए अस्तित्व का संकट बन गया है जलवायु परिवर्तन का मुद्दा

अंताल्या। कॉप-31 सम्मेलन में एक ऐसी विशाल समस्या पर चर्चा हो रही है, जिससे पूरी दुनिया जूझ रही है। ये समस्या है जलवायु परिवर्तन। तुर्किये के अंताल्या शहर में चल रहे कॉप-31 सम्मेलन में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को घटाने, जलवायु प्रभावों के साथ जीने के तरीकों और विकासशील देशों के लिए क्लाइमेट फाइनेंस जैसे विषयों पर बातचीत हो रही है। जलवायु परिवर्तन का मुद्दा अब छोटे द्वीपीय देशों के लिए अस्तित्व का संकट बन गया है, जहां समुद्र का पानी लगातार उनकी जमीन को निगल रहा है। हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय देश सेशेल्स के उपराष्ट्रपति एलिक्स सेबेस्टियन पिल्ले ने जलवायु संकट पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, उन्होंने कहा कि अब केवल बातें करने से आगे बढ़कर ठोस कदम उठाने का समय आ गया है। उन्होंने जोर दिया कि सेशेल्स के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटना सिर्फ पर्यावरण संरक्षण की प्राथमिकता नहीं है, बल्कि यह देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता, सतत विकास और अस्तित्व से जुड़ा बुनियादी मुद्दा है। जलवायु परिवर्तन का असर पूरी दुनिया में साफ नजर आ रहा है, जिससे तूफान ज्यादा भीषण हो रहे हैं, लू की घटनाएं बढ़ रही हैं और सूखे व बाढ़ का खतरा भी गंभीर होता जा रहा है। हालांकि, छोटे द्वीपीय देश इन बदलावों से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उन्हें इन प्राकृतिक आपदाओं के साथ समुद्र के बढ़ते जलस्तर की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। प्रशांत महासागर में स्थित छोटे द्वीपीय देश नियू के प्रधानमंत्री डाल्टन टागेलागी ने भी जलवायु संकट पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अल नीनो की मौजूदा स्थितियां इस बात का संकेत हैं कि अगर वैश्विक तापमान को नियंत्रित नहीं किया गया तो भविष्य में हालात कितने गंभीर हो सकते हैं।

एआई नकल विवाद: दक्षिण कोरिया के शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

सियोल। एआई नकल रोकने में नाकामी के बाद दक्षिण कोरिया के शिक्षा मंत्री चोई क्यो-जिन ने इस्तीफा दे दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से नकल के बड़े मामले ने देश की शिक्षा व्यवस्था को हिला दिया। शिक्षा मंत्री ने परीक्षा सुरक्षा में खामियों की नैतिक जिम्मेदारी लेकर कदम उठाया। यह विवाद राष्ट्रीय पेशेवर परीक्षा (टैक्स अकाउंटेंट परीक्षा) के टॉपर के कबूलनामे से शुरू हुआ। जो कि हिडन कैमरा और एआई का उपयोग कर नकल की थी, जिससे परीक्षा में टॉपर को 160 में से 159 अंक मिले। यह खुलासा दक्षिण कोरिया की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित वार्षिक विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा, सुन्युंग, से ठीक पहले हुआ, जिसमें हर साल 5 लाख से अधिक छात्र शामिल होते हैं और जो उनके भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। सुन्युंग परीक्षा के महत्व को देखकर, नकल रोकने हेतु अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम किए गए। स्मार्ट ग्लासेज और सूक्ष्म कैमरों से नकल रोकने के लिए सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जमा कराए। अधिकारियों ने छात्रों के चश्मे, घड़ियों, कॉलर और कपड़ों के बटनों तक की जांच की, तथा गुप्त लेंस ब्लॉक करने के लिए बटनों पर स्टिकर लगाए थे।

2027: एक परिवर्तनकारी वर्ष की दस्तक, दुनिया बनेगी साइंस फिक्शन जैसी



राजनीति से लेकर तकनीक और पर्यावरण तक हर क्षेत्र में हलचल देखने को मिलेगी

वाशिंगटन। साल 2027 दुनिया के लिए कई अहम बदलावों और चुनौतियों का वर्ष हो सकता है, जहां राजनीति से लेकर तकनीक और पर्यावरण तक हर क्षेत्र में बड़ी हलचल देखने को मिलेगी। द इकोनॉमिस्ट के द वर्ल्ड अहेड 2027 के संपादक टॉम स्टैंडेज ने आने वाले साल के लिए दस अहम रुझानों की ओर इशारा किया है, जो आधुनिक दुनिया को किसी साइंस फिक्शन फिल्म जैसा बनाते जा रहे हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के बाद के दौर की चर्चाएं तेज होंगी, जहां उनके संभावित उत्तराधिकारी और उनकी राजनीतिक पकड़ व विरासत दोनों पर नजर रहेगी। ट्रंप को अभी कमजोर पड़ता हुआ राष्ट्रपति मानना जल्दबाजी होगी, और वह अपनी सक्रियता बनाए रख सकते हैं। वहीं, ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के दूरगामी परिणाम वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति पर स्पष्ट दिखेंगे, जिससे पश्चिम एशिया की स्थिरता और खाद्य सुरक्षा दोनों प्रभावित हो सकती हैं। चीन की ताइवान को लेकर रणनीति भी 2027 में सुर्खियों में रहेगी, खासकर शी जिनपिंग के 2027 तक ताइवान पर कब्जा करने के लक्ष्य के मद्देनजर, जबकि यूक्रेन और ईरान जैसे संघर्षों ने दिखाया है कि नई तकनीक कैसे युद्ध के तरीकों को बदल रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आर्थिक मोर्चे पर, अमीर देशों की सरकारों पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा और बॉन्ड बाजारों में दबाव देखने को मिलेगा, जिससे उधार लेना महंगा हो जाएगा। ऊंची ब्याज दरों का असर सिर्फ सरकारों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कंपनियों और आम परिवारों पर भी इसका वित्तीय दबाव बढ़ेगा। जलवायु परिवर्तन भी अपनी छाप छोड़ेगा; 2027 के दूसरा सबसे गर्म साल बनने की आशंका है, जहां सुपर अल नीनो की स्थिति सूखे, भीषण गर्मी और चरम मौसमी घटनाओं को बढ़ाएगी। उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं हुई तो हालात और मुश्किल हो सकते हैं। वहीं एआई को लेकर दुनिया में बहस और नाराजगी बढ़ सकती है, क्योंकि एआई कंपनियों के जटिल वित्तीय सौदों और साइबर हमलों के खतरे को लेकर चिंताएं बढ़ती दिख रही हैं। हालांकि, टॉम स्टैंडेज का तर्क है कि एआई से नौकरियों जाने और डेटा सेंटरों में बिजली-पानी की खपत बढ़ने को लेकर जताई जा रही चिंताओं को उपलब्ध आंकड़ों से उतना समर्थन नहीं मिलता, जितना आशंकाओं से डर पैदा हो रहा है। सामाजिक और तकनीकी क्षेत्र में भी बड़े बदलाव अपेक्षित हैं। वजन कम करने वाली नई दवाएं लोगों के स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके खरीदारी के व्यवहार को भी बदल रही हैं, जिससे कपड़ों, कॉस्मेटिक्स और फिटनेस जैसे उद्योगों पर असर पड़ेगा। अंतरिक्ष में नई संभावनाएं खुलेंगी, जब स्पेसएक्स का विशाल स्टारशिप नियमित रूप से उपग्रह लॉन्च करना शुरू करेगा, जिससे रॉकेट लॉन्च की लागत घटेगी और निजी अंतरिक्ष स्टेशन व अंतरिक्ष में डेटा सेंटर बनाने का रास्ता साफ होगा।

बिलावल की खून-खराबे की चेतावनी से सनसनी

कराची। पाकिस्तान वर्तमान में एक बड़े आंतरिक संकट का सामना कर रहा है, जहां शहबाज शरीफ सरकार की अपने चार प्रांतों को चौदह नए प्रशासनिक इकाइयों में विभाजित करने की योजना ने भूचाल ला दिया है। इस विवादास्पद प्रस्ताव के विरोध में, पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने कराची में खून खराबे की आशंका जताकर सनसनी फैला दी है। सत्ताधारी गठबंधन के एक प्रमुख सहयोगी होने के बावजूद, बिलावल का यह सीधा विरोध पाकिस्तान की अंदरूनी अस्थिरता को दिखाता है। बिलावल भुट्टो ने केंद्र सरकार की योजना पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उनका तर्क है कि पाकिस्तान जैसे देश में, जहां पहले से ही विभिन्न प्रांत स्वायत्तता और यहां तक कि स्वतंत्रता की मांग कर रहे हैं, इसके बाद उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटना स्थिति को और भी बदतर बना सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह योजना लागू होती है, तब कराची में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क सकती है। कराची, जो पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी है और भारत के मुंबई के समान महत्व रखती है, वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के लिए महत्वपूर्ण ग्वादर पोर्ट से भी जुड़ा है।

आइजनकोट के सामने चुनौती, नेतन्याहू बन सकते हैं पीएम

तेलअवीव। इजरायल में आम चुनाव के बाद नई सरकार का गठन एक जटिल प्रक्रिया बन गया है। चुनाव परिणाम सामने आने के बावजूद, किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिल पाया है, जिससे राजनीतिक गलियारों में अनिश्चितता का माहौल है। राष्ट्रपति ने याशर पार्टी के नेता गादी आइजनकोट को सरकार बनाने का न्योता दिया है, और उन्हें 28 दिनों के भीतर बहुमत साबित करना होगा। यह समय सीमा इजरायल की राजनीतिक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत 22 नवंबर से शुरू होने की संभावना है, जो इजरायल की राजनीति में एक बड़ा मोड़ साबित हो सकती है। आम चुनाव में बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने 53 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि आइजनकोट की याशर पार्टी के खाते में 48 सीटें आई थीं। बहुमत के लिए कम से कम 61 सीटों की आवश्यकता है। ऐसे में, गठबंधन की वार्ताओं में लिकुड पार्टी नेतन्याहू को फिर से प्रधानमंत्री बनाने की शर्त रख सकती है। यदि आइजनकोट तय समय तक सरकार बनाने में असफल रहते हैं, तो राष्ट्रपति नेतन्याहू को भी सरकार बनाने का न्योता दे सकते हैं, जिससे उनकी सत्ता में वापसी की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। नेतन्याहू पहले से ही इस प्रयास में थे कि याशर पार्टी को उनकी तरफ देखना पड़े, और इसके लिए उन्होंने कई बार अरब पार्टियों को आइजनकोट के खिलाफ उकसाया था।हालांकि, आइजनकोट की पार्टी ने लिकुड से गठबंधन के लिए एक बड़ी शर्त रखी है- वे गठबंधन को तैयार हैं, लेकिन प्रधानमंत्री वह खुद बनेंगे और नेतन्याहू को इस सरकार से बाहर रहना होगा। आइजनकोट की पार्टी के भीतर भी इस गठबंधन को लेकर मतभेद हैं। राष्ट्रपति हरजोग चाहें तो आइजनकोट को मिली 28 दिन की समय सीमा को 14 दिन और बढ़ा सकते हैं। गादी आइजनकोट ने शुक्रवार को यह भी स्पष्ट कर दिया कि यदि व्यापक गठबंधन बनाने के प्रयास विफल रहते हैं, तो वह अपने नेतृत्व में राष्ट्रीय आपातकालीन सरकार बनाने के लिए तैयार हैं और वे बातचीत को अनिश्चितकाल तक खिंचने नहीं देंगे।

संक्षिप्त समाचार

ईरान ने दिखाई ताकत, दोहरी मिसाइल दागने वाले लॉन्चर का किया प्रदर्शन

तेहरान। ईरान ने अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने दोहरी मिसाइल दागने में सक्षम लॉन्चर का प्रदर्शन किया। इस प्रणाली की खासियत यह है कि इससे एक ही समय में दो तरल ईंधन वाली मिसाइलें दागी जा सकती हैं। ईरान ने पहली बार इस नए प्रक्षेपण तंत्र को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया। यह प्रदर्शन उस समय किया गया, जब आईआरजीसी के कमांडर-इन-चीफ मेजर जनरल वाहिदी ने ईरान की मिसाइल सिटी का दौरा किया। इस दौरे में उन्होंने आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स की सैन्य तैयारियों और नई तकनीकों का जायजा लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जनरल वाहिदी ने दावा किया कि ईरान के खिलाफ हमले में नाटो के सभी देश शामिल हो गए थे, लेकिन इसके बावजूद वे ईरान को हराने में सफल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि नाटो महासचिव ने भी स्वीकार किया है कि संगठन के सदस्य देशों ने ईरान के खिलाफ पांच हजार से ज्यादा हवाई अभियान किए थे। वाहिदी ने कहा कि आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने आधुनिक सैन्य प्रणालियां और उपकरण विकसित किए हैं, जो दुश्मनों और संभावित खतरों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अपनी सैन्य ताकत दिखाने या किसी भी खतरे का जवाब देने से पीछे नहीं हटेगा। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की ओर से प्रदर्शित नए लॉन्चर की सबसे बड़ी विशेषता इसकी एक साथ दो तरल ईंधन वाली मिसाइलें दागने की क्षमता है। इस तरह की व्यवस्था एक ही प्रक्षेपण प्रणाली से दो मिसाइलों को तैनात करने की सुविधा देती है। ईरान के मुताबिक इस प्रणाली में मिसाइलों को सीधे ऊपर की दिशा में छोड़ने की क्षमता भी है। इसके अलावा जरूरत के मुताबिक मिसाइल की लक्ष्य तक पहुंचने के समय की गति यानी प्रभाव के समय की गति में बदलाव भी किया जा सकता है।

ब्रह्मांड में गायब हो गया बृहस्पति जितना बड़ा ग्रह

वाशिंगटन। अंतरिक्ष में पृथ्वी से लगभग 1,000 प्रकाश वर्ष दूर मौजूद एक विशालकाय एक्सोप्लैनेट, टीओआई-2535 बी, ब्रम्हांड में गायब हो गया है। गायब होने का मतलब यह नहीं कि यह ग्रह अंतरिक्ष के खालीपन में भाप बनकर उड़ गया है, बल्कि असल में यह अपने एक पड़ोसी ग्रह के ताकतवर गुरुत्वाकर्षण के कारण अपनी कक्षा से भटक गया है। इस तरह के ग्रहों को हॉट जुपिटर कहा जाता है, जो आकार में हमारे सौर मंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति जैसे होते हैं और अपने तारे के बेहद करीब होते हैं। इस अजीबोगरीब घटना की विस्तृत जानकारी नासा के टीईएसएस (ट्रांजिटिंग एक्सोप्लैनेट सर्वे सैटेलाइट) टेलीस्कोप के डेटा पर आधारित है। खगोलविदों ने अप्रैल 2019 में पहली बार टीईएसएस टेलीस्कोप की मदद से टीओआई-2535 बी नाम के इस ग्रह पर नजर डाली थी। यह टेलीस्कोप तारों की रोशनी में होने वाले बारीक बदलावों को नोटिस करता है। जब कोई ग्रह अपने तारे के सामने से गुजरता है, तो तारे की रोशनी थोड़ी कम हो जाती है, जिसे धरती से रिकॉर्ड किया जा सकता है। यह ग्रह आकार में हमारे सौर मंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति जैसा है और अपने तारे के इतना करीब है कि इसे एक चक्कर पूरा करने में सिर्फ 8.25 दिन लगते हैं। वैज्ञानिकों ने सात साल तक टीईएसएस टेलीस्कोप से इस ग्रह की हर हलचल को रिकॉर्ड किया। उन्होंने ध्यान दिया कि यह हॉट जुपिटर दूसरे ग्रहों की तरह निश्चित समय पर अपने तारे के सामने से नहीं गुजर रहा था। इसकी टाइमिंग में छह घंटे तक का अंतर आ रहा था। समय के साथ-साथ तारे के सामने से इसका गुजरना और भी कम होने लगा। फिर इस साल मार्च में टीईएसएस टेलीस्कोप के स्कैन के दौरान टीओआई-2535 बी अचानक दिखना ही बंद हो गया। शोध टीम का मानना है कि यह हॉट जुपिटर अपने सिस्टम में अकेला नहीं है, बल्कि इसके ठीक बगल में गैस का एक और विशाल ग्रह मौजूद है। इस पड़ोसी ग्रह की कक्षा थोड़ी तिरछी है। दोनों ग्रह एक-दूसरे के इतने करीब हैं कि उनका गुरुत्वाकर्षण उन्हें लट्टू की तरह डगमगाने पर मजबूर कर रहा है। इसी खिंचाव ने टीओआई-2535 बी को उसके रास्ते से इतना भटका दिया कि वह धरती के एंगल से बाहर हो गया।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, मंगलवार 24 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

अल्काराज एटीपी फाइनल्स जीतने वाले तीसरे स्पेनिश खिलाड़ी बने, नडाल ने दी बधाई



टयूरिन। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने रविवार को यहां हुएएटीपी टेनिस फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 7-6(6) से हराकर खिताबी जीत के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम की है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही अल्काराज ने इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप का खिताब पहली बार जीता है। इसी के साथ ही इस स्पेनिश खिलाड़ी ने अपने करियर का 30वां और इस सीजन का छठा खिताब अपने नाम किया। यह जीत के साथ ही वह एटीपी फाइनल्स की ट्रॉफी जीतने वाले तीसरे स्पेनिश खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले साल 1976 में मैनुअल ओरेंट्स और 1998 एलेक्स कोरेटजा ने ये खिताब जीता था। खिताब जीत के बाद अल्काराज को प्रशंसकों के अलावा देश के दिग्गज खिलाड़ी और विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी राफेल नडाल से एक विशेष बधाई संदेश मिला है। नडाल ने अल्काराज की इस शानदार उपलब्धि पर खुशी जताते हुए उनके मुश्किलों भरे सीज़न के बाद मिली इस जीत को सराहा। यह जीत अल्काराज के लिए कई मायनों में खास है, क्योंकि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए अपना अभियान समाप्त किया। अल्काराज ने फाइनल मुकाबले में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 7-6(6) के स्कोर से हराया। अल्काराज की जीत के तुरंत बाद, नडाल ने सोशल मीडिया पर अल्काराज के शानदार प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, अल्काराज को एटीपी फाइनल्स जीतने पर बधाई। मुझे पता है कि यह साल काफी कठिन रहा है और मुझे बहुत खुशी है कि आपने इतना शानदार खेल दिखाते हुए यह महत्वपूर्ण टूर्नामेंट जीत लिया। नडाल ने अल्काराज को उनके अगले टूर्नामेंट, डेविस कप, के लिए भी शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि नडाल का यह बधाई संदेश ऐसे समय में आया है जब अल्काराज को इस सत्र में चोटों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ा था। अप्रैल में बार्सिलोना एटीपी 500 टूर्नामेंट के दौरान उनकी कलाई में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें चार महीने से अधिक समय तक कोर्ट से दूर रहना पड़ा। अगस्त में यूएस ओपन के साथ उन्होंने कोर्ट पर वापसी की और धीरे-धीरे अपना बेहतरीन फॉर्म हासिल किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने सत्र के अंत में महत्वपूर्ण टूर्नामेंट जीते। उनकी यह हालिया जीत इसलिए भी खास है क्योंकि एटीपी फाइनल्स के दौरान भी उन्हें शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ा था। डेनिल मेदवेदेव के खिलाफ अपने राउंड-रॉबिन मैच के दौरान बाएं पैर में समस्या के कारण अल्काराज को मेडिकल टाइम-आउट लेना पड़ा था। हालांकि, उन्होंने दृढ़ संकल्प दिखाया और समय रहते ठीक होकर बिना कोई मैच हारे चैंपियनशिप के फाइनल तक पहुंच गए। फाइनल में ज्वेरेव के खिलाफ दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में उन्होंने लगातार तीन सेट अंक बचाए और अंतत: जीत हासिल की।

शुभमन ने सिराज को अंतिम ग्यारह से बाहर रखने का कारण बताया

वेलिंगटन। यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के ड्रॉ होने के बाद भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को अंतिम ग्यारह में नहीं रखने का कारण बताया और कहा कि उन्होंने मैच से पहले इस बारे में सिराज से भी बात की थी। शुभमन ने कहा कि सिराज को बाहर रखना एक कठिन फैसला था पर टीम संयोजन और रणनीति के लिए ये जरुरी थी। सिराज को जगह नहीं दिये जाने की कई लोगों ने आलोचना की थी। माना जा रहा है कि इसी को देखते हुए शुभमन ने इस फैसले के पीछे के कारण बताये हैं। शुभमन ने सिराज के साथ अपने गहरे व्यक्तिगत संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, सिराज एक शानदार खिलाड़ी और बेहतरीन गेंदबाज हैं, जिन्होंने भारत के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा , मगर इन सबसे बढ़कर, वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमने एक साथ अपने करियर की शुरुआत की थी, भारत के लिए खेलने से पहले से ही हम बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। इसलिए, उन्हें बाहर रखने का फैसला मेरे लिए भी मुश्किल था हालांकि कप्तान होने के नाते ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं। उन्हें यह देखना पड़ता है कि कौन से गेंदबाज मौजूदा समय में सबसे अच्छी फॉर्म में हैं और हालातों के हिसाब से सही रहेगा। गौरतलब है कि सिराज को अंतिम ग्यारह से बाहर रखे जाने के इस फैसले ने क्रिकेट जगत में काफी बहस छेड़ दी थी। यह आलोचना इसलिए भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि सिराज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के चक्र में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के इस कदम पर सवाल उठाए जा रहे थे और कई प्रशंसकों व विशेषज्ञों ने इसकी जमकर आलोचना की थी। भारतीय कप्तान ने इस बात पर भी जोर दिया कि उन्होंने इस फैसले को सिराज के साथ पूरी पारदर्शिता के साथ साझा किया था। गिल ने खुलासा किया, मेरी उनसे (सिराज) बात हुई थी।

ऋषभ की आसाधारण पारी देखकर हैरान हुए गावसकर

वैलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की आक्रामक शतकीय पारी से बेहद प्रभावित हैं। वेलिंगटन में अपनी इस पारी में ऋषभ ने 153 गेंदों में 128 रन बनाये थे जिसमें 10 चौके और छह छक्के शामिल थे। उन्होंने अपने नौवें टेस्ट शतक तक पहुंचने के लिए बेहद आकर्षक तरीका चुना। उन्होंने ऑफ स्पिनर ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर आगे निकलकर मिड-ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ा। इस छक्के के साथ ही उन्होंने अपना शतक पूरा किया और आसमान की ओर देखकर जश्न मनाया। इस दौरान गावस्कर को अपनी सीट से उछलते हुए और पूरे उत्साह तथा गर्मजोशी भरी मुस्कान के साथ पंत की इस शानदार उपलब्धि पर तालियां बजाते देखा जा सकता था। इस शानदार शतकीय पारी के दौरान ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट के कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (सेना देशों) में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले एशियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए। यह उपलब्धि कठिन परिस्थितियों और तेज उछाल वाली पिचों पर उनकी तकनीक और जुझारूपन को दर्शाती है। इसके साथ ही, न्यूजीलैंड की धरती पर किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा बनाया गया यह सर्वोच्च टेस्ट स्कोर भी बन गया, जब पंत ने 128 रन की पारी खेलकर सैयद किरमानी के ऑकलैंड में बनाए गए नाबाद 78 रनों के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। ऋषभ पंत की बल्लेबाजी हमेशा से चर्चा का विषय रही है और यह पारी इस बात का प्रमाण रही कि बेहतरीन प्रदर्शन हर आलोचना को प्रशंसा में बदल देने की ताकत रखता है। उनके पारी देखकर गावस्कर जैसे उनके आलोचक भी प्रशंसक बन गये। गावस्कर ने पूर्व में कई बार ऋषभ के लापरवाही भरे शॉट लगाकर आउट होने की आलोचना की थी।

तिलक के शतक के बाद भी हारी भारत ए टीम

दोहा। कप्तान तिलक वर्मा के शानदार शतक के बाद भी यहां हुए राइजिंग एशिया कप टूर्नामेंट में भारत ए को अपने परंपरागत प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान ए के हाथों 48 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से भारतीय टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह भी कठिन हुई है। ऐसे में भारतीय टीम को अब 24 नवंबर को यूएई के खिलाफ होने वाला अपना अंतिम मैच हर हाल में जीतना होगा। पाक एक के खिलाफ 314 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए की टीम 49.1 ओवर में 265 रन ही बना पायी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वैभव सूर्यवंशी पहले विकेट के रूप में सस्ते में आउट हुए। इसके बाद तिलक वर्मा ने सात चौके और एक छक्के की मदद से 100 रन की शतकीय पारी खेली, लेकिन उनकी 149 गेंदों की यह पारी रन गति के हिसाब से उतनी तेज नहीं थी जितनी लक्ष्य हासिल करने के लिए आवश्यक थी। वहीं दूसरे छोर पर अभिषेक शर्मा ने 42 गेंदों में छह चौके और छह छक्के जड़ते हुए आक्रामक 70 रन बनाए और तेजी से रन बटोरे। अभिषेक ने 31 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन उनके 70 रन बनाकर आउट होने के बाद रन गति धीमी पड़ गई। शाहबाज अहमद ने भी 56 रन का योगदान दिया। हालांकि, इन तीन बल्लेबाजों के अलावा अन्य कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पायी। तिलक और शाहबाज ने सातवें विकेट के लिए 112 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी जरूर की, लेकिन बढ़ती रन गति के दबाव में भारत ए लक्ष्य से दूर होता चला गया। पाकिस्तान ए की गेंदबाजी बेहद प्रभावी रही, जिसने भारतीय बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। अली रजा और हसन नवाज ने तीन-तीन महत्वपूर्ण विकेट लिए, जबकि मोहम्मद इमरान ने दो विकेट हासिल किए। अहमद दानियाल और सुफयान मोकिम को भी एक-एक सफलता मिली। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ए टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और 49.2 ओवर में 313 रन का विशाल स्कोर बनाया था।

तिलक वर्मा ने बताया भारत ए की हार का कारण

दोहा। भारत ए के कप्तान तिलक वर्मा ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में पाकिस्तान ए के खिलाफ मिली हार का कारण बताया है। तिलक ने कहा कि इस हार का मुख्य कारण शाहबाज अहमद का आउट होना रहा। पाकिस्तान ए के खिलाफ 314 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत बिल्कुल अच्छी नहीं रही थी। वैभव सूर्यवंशी और आयुष बडोनी शुरुआत में ही आउट हो गये। अभिषेक शर्मा ने 70 रन की आक्रामक पारी खेली पर उनके आउट होते ही रन गति धीमी हो गयी जिससे अन्य बल्लेबाजों पर दबाव बन गया। जिससे टीम ने 129 रन तक ही अपने छह विकेट खो दिये। ऐसे मुश्किल समय में तिलक ने शाहबाज अहमद के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिसने भारत को एक बार फिर जीत की राह पर लौट गयी। तिलक ने बताया कि अभिषेक की अच्छी शुरुआत के बाद शाहबाज के साथ उनकी यह साझेदारी कठिन हालातों में टीम के लिए अहम साबित हुई। दोनों ने सूझबूझ से रन बनाये और मुकाबले को अंतिम ओवरों तक ले जाने का प्रयास किया हालांकि तभी शाहबाज आउट हो गये। तिलक ने कहा कि अगर शाहबाज दो ओवर और क्रीज पर टिक जाते तो मुकाबले का परिणाम कुछ और हो सकता था, उन्हें पूरा भरोसा था कि शाहबाज का साथ मिलने पर वह टीम को जीत तक पहुंचा सकते थे। तिलक ने पाकिस्तान के गेंदबाजों को भी उनकी जीत का श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि दूसरी पारी में शुरुआती 10 ओवर के दौरान पिच से गेंदबाजों को अच्छी स्विंग मिल रही थी। पाकिस्तान के दोनों तेज गेंदबाजों ने सही लाइन और लेंथ पर लगातार गेंदबाजी की, जिससे भारतीय बल्लेबाजों को रन बनाने में काफी परेशानी हुई। तिलक ने यह भी माना कि इस दौरान लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई और रन रेट पर भी असर पड़ा।



इटली में सीरीज ए फुटबॉल में खेलते हुए अटलांटा और इंटर मिलान के खिलाड़ी।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

टाटा स्टील अपने दो कारोबार एपीएल अपोलो ट्यूब्स को 28,000 करोड़ में बेचेगी

नई दिल्ली। स्टील सेक्टर से जुड़ी एक बड़ी खबर में दिग्गज कंपनी टाटा स्टील ने अपने दो प्रमुख कारोबारों को एपीएल अपोलो ट्यूब्स को 28,000 करोड़ रुपए के एक बड़े सौदे में बेचने की घोषणा की है। कंपनी बोर्ड ने हाल ही में इस रणनीतिक बिक्री को मंजूरी दी है, जिसके तहत ट्यूब्स कारोबार और कलर कोटेड स्टील से जुड़ी सहायक कंपनी टाटा स्टील कलर्स की पूरी हिस्सेदारी एपीएल अपोलो को हस्तांतरित की जाएगी। यह सौदा टाटा स्टील के लिए अपने कारोबार को व्यवस्थित करने और निवेश का मूल्य प्राप्त करने में महत्वपूर्ण होगा, जबकि एपीएल अपोलो के लिए यह विस्तार का बड़ा अवसर है। इस सौदे के तहत, टाटा स्टील अपने ट्यूब्स कारोबार को अधिकतम 11,700 करोड़ रुपए में बेचेगी, जिसमें स्टील ट्यूब्स, पाइप बनाने, प्रोसेसिंग, मार्केटिंग और बिक्री से जुड़े कार्य शामिल हैं। जमशेदपुर, होसुर, खोपोली और साहिबाबाद की मैन्युफैक्चरिंग इकाइयां भी इस दायरे में आएंगी। दूसरा बड़ा सौदा 16,300 करोड़ रुपए का है, जिसमें टाटा स्टील अपनी सहायक कंपनी टाटा स्टील कलर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में टाटा ब्लूस्कोप स्टील) की पूरी हिस्सेदारी एपीएल अपोलो को बेचेगी। इस तरह कुल सौदा 28,000 करोड़ रुपए का है। टाटा स्टील के मुताबिक, इस कदम का मुख्य उद्देश्य अपने डाउनस्ट्रीम कारोबार को व्यवस्थित करना और उसमें किए गए निवेश का मूल्य प्राप्त करना है। वहीं, एपीएल अपोलो के लिए यह अपने कारोबार के विस्तार और नए क्षेत्रों में प्रवेश का एक बड़ा अवसर होगा, खासकर ट्यूब्स कारोबार को एपीएल अपोलो के बड़े डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का लाभ मिलेगा। यह पूरी प्रक्रिया 31 मार्च 2028 तक पूरी होने की उम्मीद है, हालांकि इसके लिए आवश्यक नियामक मंजूरियां लेना बाकी है। इस बड़े अधिग्रहण के बाद दोनों कंपनियों के शेयरों पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी।

चाय उद्योग को मिलेगी नई गति, सरकार निर्यात व गुणवत्ता पर केंद्रित

नई दिल्ली। भारत, जो दुनिया में काली चाय का सबसे बड़ा उत्पादक और तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक निर्यातक है, अपने चाय उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पश्चिम बंगाल के कुर्सेओंग में चाय उद्योग के हितधारकों के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना, गुणवत्ता में सुधार करना और चाय श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करना रहा, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत ने 988.13 मिलियन डॉलर मूल्य की 282.11 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात किया था। यह क्षेत्र देश की कृषि अर्थव्यवस्था और निर्यात आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस उच्च स्तरीय बैठक में दार्जिलिंग चाय उद्योग के पुनरुद्धार, चाय नीलामी प्रणाली को और अधिक प्रभावी, तेज़ तथा पारदर्शी बनाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। वाणिज्य मंत्री ने चाय अनुसंधान को सुदृढ़ करने, गुणवत्ता में सुधार लाने और एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (ईपीएम) के तहत निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। हितधारकों के साथ व्यापार करने में आसानी को प्राथमिकता बनाते हुए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और दक्षता बढ़ाने पर भी सहमति बनी, जिसमें तकनीक-आधारित सुधारों और परिचालन दक्षता में वृद्धि पर बल दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारत की उपस्थिति को मजबूत करने, वैश्विक स्तर पर भारतीय चाय की स्थिति को बेहतर बनाने और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए तकनीक-आधारित सुधारों तथा लक्षित प्रचार उपायों पर चर्चा हुई। सरकार, टी बोर्ड इंडिया और उद्योग के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया, ताकि पारंपरिक और उभरते दोनों बाजारों में भारतीय चाय को बढ़ावा दिया जा सके। बैठक में चाय बागान श्रमिकों और उनके परिवारों के कल्याण का मुद्दा भी केंद्रीय विषय रहा, जिससे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए व्यावहारिक सुझाव सामने आए। इस पहल का लक्ष्य भारतीय चाय को वैश्विक मंच पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है।

महिलाओं और किसानों को पैसे देने वाली योजनाओं पर 4 लाख करोड़ खर्च

सबसे ज्यादा खर्च करने वाले राज्यों में पश्चिम बंगाल पहले स्थान पर



नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में महिलाओं, किसानों और जरूरतमंदों को सीधे बैंक खातों में पैसे भेजने वाली कल्याणकारी योजनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इन योजनाओं पर होने वाला खर्च ?दिन ब ?दिन बढ़ता जा रहा है, जिसका सीधा असर राज्यों के बजट पर पड़ रहा है। कई राज्यों में तो यह खर्च सड़क, पुल जैसे विकास कार्यों के लिए आवंटित पूंजीगत राशि से भी अधिक हो गया है। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की हालिया स्टेट ऑफ स्टेट फाइनेंसेज 2026-27 रिपोर्ट के अनुसार, राज्यों ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में ऐसी 128 योजनाओं के लिए लगभग 4 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। रिपोर्ट बताती है कि 2018-19 में राज्यों की कुल राजस्व प्राप्तियों में सब्सिडी और सीधे पैसे देने वाली योजनाओं के खर्च का हिस्सा 16 प्रतिशत था, जो 2023-24 तक बढ़कर 21 प्रतिशत हो गया है। इस दौरान, ऐसी योजनाओं पर खर्च में सालाना औसतन 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बिना किसी शर्त के सीधे पैसे देने वाली इन योजनाओं पर खर्च 2022-23 में देश की जीडीपी का 0.6 प्रतिशत था, जिसके 2026-27 में बढ़कर एक प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। सबसे ज्यादा खर्च करने वाले राज्यों में पश्चिम बंगाल पहले स्थान पर है, जिसने 2026-27 में इन योजनाओं के लिए 47,542 करोड़ रुपये रखे हैं। इसके बाद कर्नाटक (40,392 करोड़ रुपये) और महाराष्ट्र (38,549 करोड़ रुपये) का नंबर आता है। पश्चिम बंगाल का इन योजनाओं पर खर्च उसके कुल पूंजीगत खर्च (40,930 करोड़ रुपये) से भी ज्यादा है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और मध्य प्रदेश ने भी बड़ी रकम का प्रावधान किया है। महिलाओं को सीधे पैसे देने वाली योजनाओं पर सबसे अधिक खर्च किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल ने महिलाओं के लिए 36,000 करोड़ रुपये रखे हैं, जबकि कर्नाटक ने 28,608 करोड़ रुपये और महाराष्ट्र ने 26,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। ये योजनाएं पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार, कर्नाटक में गृह लक्ष्मी और महाराष्ट्र में लाडकी बहिन जैसे नामों से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल अपनी कुल राजस्व प्राप्तियों का लगभग 11 प्रतिशत केवल महिलाओं को पैसे देने वाली योजनाओं पर खर्च कर रहा है। किसानों को सीधे आर्थिक मदद देने के मामले में तेलंगाना सबसे आगे है, जिसने 2026-27 में किसान सहायता योजनाओं के लिए 18,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

सरकार के आरडीआई फंड से 13 स्टार्टअप्स को मिलेगी मदद

नई दिल्ली। देश में नवाचार और तकनीकी प्रगति को गति देने के उद्देश्य से सरकार के महत्वाकांक्षी रिसर्च, डेवलपमेंट एंड इनोवेशन (आरडीआई) फंड के तहत लाभार्थियों के दूसरे समूह का चयन कर लिया गया है। इस समूह में कुल 13 कंपनियां शामिल हैं, जिनमें पर्सेप्टाइन, सिगटपल, सिनएलआर और 5सी नेटवर्क जैसी 11 नई पीढ़ी की स्टार्टअप्स कंपनियां प्रमुख हैं। हालांकि, इन चयनित कंपनियों की औपचारिक घोषणा अभी प्रतीक्षित है। फंड का प्रबंधन करने वाले टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट बोर्ड (टीडीबी) को हाल ही में 1,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त आवंटन प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही टीडीबी की कुल स्वीकृत राशि प्रारंभिक 2,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 3,000 करोड़ रुपए हो गई है। यह बढ़ी हुई पूंजी विशेष रूप से दूसरे समूह की इन चयनित कंपनियों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। उल्लेखनीय है कि सितंबर में टीडीबी ने प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए नए प्रस्तावों के लिए आमंत्रण बंद कर दिया था। सूत्रों के अनुसार, स्टार्टअप्स से मिल रही फंडिंग की भारी मांग और बोर्ड के पास उपलब्ध पूंजी के बीच तालमेल बिठाना मुश्किल हो रहा था, अप्रैल 2026 तक ही टीडीबी को 124 परियोजनाओं के प्रस्ताव मिल चुके थे। इससे पहले फंड के पहले दौर में 22 कंपनियों को चुना गया था, जिन्हें सरकार ने 2,192 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता मंजूर की थी। यह आरडीआई फंड पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च किया गया था, जिसका प्राथमिक लक्ष्य शोध, विकास और नवाचार में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देना है, खासकर रणनीतिक और उभरती प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित।

डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे टूटकर 92.85 पर खुला

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को रुपया 93.47 पर खुला और 92.43 तक मजबूत होने के बाद पिछले बंद भाव के मुकाबले 23 पैसे की गिरावट के साथ 92.85 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। रुपये ने शुक्रवार को लगातार पांचवें सत्र में बढ़त जारी रखी थी और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 70 पैसे मजबूत होकर 92.62 पर बंद हुआ था। रुपया 10 अप्रैल के बाद पहली बार 93 के स्तर से ऊपर पहुंचा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत गिरकर 103.71 पर रहा।

एपीएल अपोलो लुढ़का, टाटा स्टील से सौदा बना वजह

नई दिल्ल। सोमवार सुबह शेयर बाजार खुलते ही एपीएल अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड के शेयरों में जबरदस्त बिकवाली देखने को मिली। कंपनी के शेयर टाटा स्टील के दो ट्यूब कारोबारों को लगभग 28,000 करोड़ रुपये में खरीदने की घोषणा के बाद 15 प्रतिशत से अधिक टूटकर इंट्रा-डे निचले स्तर पर आ गए। शुरुआत में एपीएल अपोलो के शेयर 10 प्रतिशत के लोअर सर्किट पर पहुंच गए थे, लेकिन बाद में गिरावट जारी रही और यह 1810 रुपये के इंट्रा-डे निचले स्तर तक पहुंच गया। इस मेगा अधिग्रहण के ऐलान के बाद टाटा स्टील के शेयरों में भी करीब 5 प्रतिशत की गिरावट आई, और यह 169.56 रुपये पर आ गया। दरअसल, टाटा स्टील ने अपने दो ट्यूब कारोबार एपीएल अपोलो को बेचने का ऐलान किया है। इसमें पहला, स्टील ट्यूब्स और पाइप बनाने व संबंधित कारोबार है, जिसकी वैल्यू अधिकतम 11,700 करोड़ रुपये बताई गई है। इसमें जमशेदपुर, होसुर, खोपोली और साहिबाबाद की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स शामिल हैं। दूसरा, टाटा स्टील अपनी सहायक कंपनी टाटा स्टील कलर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व नाम टाटा ब्लूस्कोप स्टील) की पूरी 100 फीसदी हिस्सेदारी 16,300 करोड़ रुपये में बेचेगी।



नागपुर: महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित 'एयर फेस्ट 2026' के दौरान भारतीय वायुसेना की टीम ने हवाई करतबों का प्रदर्शन किया।

एफएमसीजी में विदेशी रौनक लौटी, निवेशकों ने 15 महीने बाद लगाया दांव

सस्ते मूल्यांकन और कमाई में सुधार की उम्मीद से बढ़ा आकर्षण

नई दिल्ली। लंबे समय से सुस्ती झेल रहे फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेक्टर में विदेशी निवेशकों की वापसी हुई है। करीब 15 महीने की लगातार बिकवाली के बाद नवंबर महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस क्षेत्र में 30 करोड़ डॉलर से अधिक का शुद्ध निवेश किया है। सस्ते मूल्यांकन और कच्चे माल की कीमतों में नरमी से कंपनियों की कमाई में सुधार की उम्मीद ने विदेशी फंडों को एक बार फिर आकर्षित किया है। एक समय था जब कमजोर मांग, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और कच्चे माल की महंगाई के कारण एफएमसीजी सेक्टर से विदेशी पैसा लगातार बाहर निकल रहा था। हालांकि, अब वैश्विक तकनीकी और एआई शेयरों से जुड़ी चिंताओं के बीच विदेशी निवेशक भारतीय कंपनियों में फिर से दिलचस्पी दिखा रहे हैं, जिसका सीधा फायदा एफएमसीजी क्षेत्र को मिल रहा है। जानकारों के मुताबिक एफएमसीजी सेक्टर का एक साल आगे की अनुमानित कमाई के आधार पर पीई रेशियो अपने पिछले 10 साल के औसत से नीचे आ गया है। मारिको को छोड़कर, अधिकांश प्रमुख कंपनियों के शेयर भी अपने पांच साल के औसत मूल्यांकन से कम पर कारोबार कर रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि कम मूल्यांकन मात्र शेयर में तुरंत तेजी नहीं लाएगा, बल्कि इसके लिए कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में ठोस सुधार भी आवश्यक होगा। यह स्थिति लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर पैदा कर सकती है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, मंगलवार 24 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

जनगणना के द्वितीय चरण तैयारियों को लेकर प्रशिक्षण कांफ्रेंस आज

भोपाल। जनगणना-2027 के राष्ट्रीय महत्व के कार्य के द्वितीय चरण के सफल एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन की तैयारियों के संबंध में 25 नवंबर 2026 को भोपाल में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कांफ्रेंस आयोजित की जाएगी। कांफ्रेंस का आयोजन प्रात: 10.30 बजे आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी,भोपाल के स्वर्ण जयंती ऑडिटोरियम में होगा। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत 10 जनवरी 2027 से स्व-गणना की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। इसके पश्चात 25 जनवरी 2027 से प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर जनगणना का कार्य किया जाएगा। इस चरण में जनगणना की प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा में संपन्न कराने तथा मैदानी स्तर पर कार्यों के प्रभावी संचालन के लिए अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कांफ्रेंस में प्रदेश के संभागायुक्त, जिला कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त, प्रत्येक जिले से जनगणना कार्य से जुड़े अपर कलेक्टर,अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जिला योजना अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी सम्मिलित होंगे। दूरस्थ जिलों के अधिकारी वर्चुअली माध्यम से कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

बिजली कार्यों में सुरक्षा मानकों और सावधानियों का दिया प्रशिक्षण

भोपाल। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के तहत 220 केवी सबस्टेशन देवास में सोमवार को विद्युत कार्यों के दौरान कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों और तकनीकी सावधानियों के पालन को लेकर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विद्युत कार्यों के दौरान संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम,सुरक्षित कार्यप्रणाली और सुरक्षा उपकरणों के प्रभावी उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता निर्दोष केरकेट्टा ने बताया कि किसी भी विद्युत कार्य को प्रारंभ करने से पहले निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्य अनुमति (परमिट) प्राप्त करना तथा संबंधित उपकरणों की अर्थिंग सुनिश्चित करना अनिवार्य है। कार्य की प्रकृति के अनुरूप व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पी पी ई)जैसे हेलमेट,सेफ्टी बेल्ट,सुरक्षा दस्ताने एवं सेफ्टी शूज का अनिवार्य उपयोग करने की आवश्यकता समझाई गई। साथ ही सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग और कार्यस्थल पर निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के पालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से रेखांकित किया गया कि विद्युत पारेषण तंत्र में कार्य करते समय सुरक्षा सर्वोपरि है। किसी भी परिस्थिति में निर्धारित सुरक्षा नियमों और प्रक्रियाओं की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

सांभर के शिकार में शामिल संगठित गिरोह के दो आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। प्रदेश में वन्यजीव अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) की इंदौर इकाई की कार्रवाई में 19 नवंबर 2026 को सांभर के शिकार में शामिल संगठित गिरोह के दो और फरार आरोपियों मुस्तफा नदीम और खुजेमा, को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर शिकार में इस्तेमाल एमजी हैक्टर एसयूवी कार भी जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 16 लाख रुपये है। सैफीनगर, खातीवाला टैंक, इंदौर निवासी दोनों आरोपियों को 20 नवंबर 2026 को खंडवा न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 23 नवंबर 2026 तक वन विभाग की रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से गिरोह के अन्य सदस्यों और उनकी गतिविधियों के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। प्रकरण में एसटीएसएफ आगे कार्रवाई कर रही है। खंडवा जिले के पुनासा स्थित नर्मदानगर संरक्षित वन क्षेत्र में नियमित गश्त के दौरान 8 मई 2026 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर स्थानीय वन अमले ने कार्रवाई करते हुए सांभर के शव के साथ दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया था। इस दौरान गिरोह के अन्य सदस्य चार पहिया वाहन से फरार हो गए थे।

प्रदेश के13 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट,दिन में बढ़ी ठिठुरन

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल गया है। पूर्वी हिस्से में सक्रिय निम्न दबाव क्षेत्र और ट्रफ के असर से रविवार को प्रदेश के करीब आधे हिस्से में बादल छाए रहे। जबलपुर,रीवा और शहडोल संभाग के कुछ जिलों में बारिश भी हुई। सोमवार को 13 जिलों में आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की गई है। दूसरी ओर,रात के तापमान में बढ़ोतरी के बावजूद दिन में ठंड का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार,अगले 24 घंटे के दौरान सतना, रीवा, मैहर, कटनी, मऊगंज, सीधी,सिंगरौली, शहडोल,उमरिया,अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में बारिश हो सकती है। वहीं, जबलपुर और सागर संभाग के अन्य जिलों में बादल छाए रहने की संभावना है। प्रदेश के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में भी एक चक्रवाती सिस्टम सक्रिय है, जिसका असर कुछ इलाकों में देखने को मिल सकता है। प्रदेश में फिलहाल रात की तुलना में दिन के समय ठंड का असर अधिक महसूस हो रहा है। बादल छाए रहने और धूप कमजोर पड़ने से दिन के तापमान में गिरावट आई है,जबकि रात के न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बीती रविवार रात शाजापुर जिले के गिरवर में न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजधानी भोपाल में प्रदेश की पहली ल्यूमिनेसेंस डेटिंग लैब शुरू

प्रयोगशाला में 10 लाख साल तक पुराने मिट्टी-पत्थर का जान सकेंगे अतीत

भोपाल। लाखों साल पहले धरती पर इंसान कैसे रहता था,उस समय पर्यावरण कैसा था और जलवायु में क्या बदलाव हुए थे,अब इन सवालों के जवाब वैज्ञानिक जांच से मिल सकेंगे। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रदेश की पहली और देश की तीसरी ल्यूमिनेसेंस डेटिंग प्रयोगशाला शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सोमवार को भोपाल के मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकास्ट) परिसर में देश की तीसरी अत्याधुनिक डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ल्यूमिनेसेंस डेटिंग प्रयोगशाला और गैलरी के लोकार्पण किया। इस तकनीक से करीब 10 लाख साल तक पुराने नमूनों का काल निर्धारण संभव है। मुख्यमंत्री द्वारा मैपकास्ट में प्रसिद्ध पुरातत्वविद् डॉ.वाकणकर के जीवन, शोध और उपलब्धियों पर आधारित विशेष गैलरी भी शुरू की गई है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सह-सरकार्यवाह सुरेश सोनी भी मौजूद थे। इस दौरान कॉफी टेबल बुक महाकाल- द मास्टर ऑफ टाइम का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रयोगशाला लगभग 10 लाख साल तक पुराने अवशेषों और घटनाओं की वैज्ञानिक जांच करने में सक्षम है। इसके माध्यम से प्राचीन सभ्यताओं के कालखंड, मानव विकास की परंपरा और उस समय की जलवायु परिस्थितियों का पता लगाया जा सकेगा। जमीन में दबे अवशेषों ने सूर्य की रोशनी आखिरी बार कब ग्रहण की थी, इसका वैज्ञानिक आकलन भी इस तकनीक से संभव होगा। उन्होंने कहा कि पद्मश्री डॉ.विष्णु श्रीधर वाकणकर ने सीमित संसाधनों के बावजूद पुरातत्व के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। भीमबेटका जैसी ऐतिहासिक धरोहर को सामने लाने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

गैलरी में डॉ.विष्णु श्रीधर के जीवन की झलक दिखाई देगी



भोपाल। प्रयोगशाला के साथ शुरू हुई डॉ.विष्णु श्रीधर वाकणकर गैलरी में उनके जीवन और पुरातात्विक योगदान की झलक दिखाई देगी। इसमें उनके बनाए चित्रों की प्रतिकृतियां, प्रकाशित पुस्तकें, शोध साहित्य और भारतीय कला भवन उज्जैन से प्रकाशित सामग्री रखी गई है। पद्मश्री पुरातत्ववेत्ता डॉ.नारायण व्यास ने बताया कि डॉ.वाकणकर के साथ काम करने के दौरान उनसे जुड़ी कई यादें और सामग्री उन्होंने सुरक्षित रखी थीं। इनमें आदिमानव के बनाए पत्थर के छोटे-बड़े औजार, हैंड एक्स, क्लीवर और पत्थर की कुल्हाड़ी भी शामिल हैं। इन वस्तुओं को भी गैलरी में प्रदर्शित किया गया है। डॉ.व्यास के मुताबिक,उन्होंने डॉ.वाकणकर के साथ भीमबेटका और भोपाल के आसपास पुरातात्विक सर्वेक्षण एवं शोध कार्य किया था। गैलरी में इन वस्तुओं को रखने का उद्देश्य नई पीढ़ी को डॉ.वाकणकर के काम और प्राचीन मानव सभ्यता के साक्ष्यों से परिचित कराना है। इस प्रयोगशाला में देश के अलग-अलग हिस्सों से नमूने लाकर भी जांच कराई जा सकेगी। डॉ.नारायण व्यास के मुताबिक, देश में इस तरह की प्रयोगशालाएं पहले से मौजूद हैं, लेकिन मध्य प्रदेश में इसकी शुरुआत शोध के लिए महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में यहां कार्बन डेटिंग प्रयोगशाला स्थापित करने की भी योजना है।

नीति चिंतन शिविर 2 दिसम्बर को होगा : मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव



मुख्यमंत्री ने मंत्रि-परिषद् बैठक से पहले दी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि प्रदेश में 2 दिसंबर को नीति चिंतन शिविर होगा। इसमें सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव तथा सभी कलेक्टर्स भी हिस्सा लेंगे। इसमें 2 सत्र होंगे। पहला सत्र समृद्ध मध्यप्रदेश-2047 दस्तावेज पर केन्द्रित होगा। दूसरा सत्र सतत् विकास लक्ष्यों और अन्य विकास संकेतकों पर केन्द्रित होगा। इन सत्रों में नीतिगत एवं क्रियान्वयन चुनौतियों के समाधान,भविष्य के रोडमैप और बीते 3 सालों की उपलब्धियों तथा आगामी रणनीति पर चर्चा होगी। पहले सत्र में 8 विषयों पर नोडल विभाग द्वारा प्रस्तुतिकरण होंगे। दूसरे सत्र में 8 माड्यूल्स पर नोडल विभाग प्रस्तुतिकरण करेंगे। इस प्रकार एक दिन में कुल 16 स्तंभों और माड्यूल्स पर मंथन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव सोमवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मंत्रि-गण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मंत्रि-गण से राज्य सरकार द्वारा बीते सप्ताह हासिल की गई विशेष उपलब्धियों की जानकारी साझा की। वहीं मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि विधानसभा का शीतकालीन सत्र सत्र 7 दिसंबर से 11 दिसंबर तक चलेगा। सत्र के मद्देनजर सभी मंत्रि-गण अपनी-अपनी विभागीय तैयारी कर लें। अपने विभाग से संबंधित प्रश्नों, ध्यानाकर्षण आदि के उत्तर समय पर भेज दिए जाएं। सभी मंत्रिगण इन विभागों से संबंधित विधानसभा प्रश्नों आदि की ठीक से तैयारी कर लें। सदन में प्रस्तुत किए जाने वाले विधेयक, शासकीय संकल्प, प्रतिवेदन, अनुपूरक बजट मांगादि कार्यवाही पूर्ण कर ली जाएं। अपने-अपने विभाग की पिछले वर्ष की उपलब्धियों के बारे में जनता को बताएं। उन्होंने कहा कि विभागीय परामर्शदात्री समितियों की बैठकें भी इसी सत्र के दौरान करा ली जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को भोपाल के नाथू बरखेड़ा में नवनिर्मित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स के पहले चरण के कामों के लोकार्पण सहित प्रदेश को मिली इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक अद्भुत परिसर है जहां लगभग सभी प्रकार के खेलों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस इंटरनेशनल स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स से अब अपना भोपाल पूरी मजबूती से अंतर्राष्ट्रीय खेल मानचित्र में स्थापित हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में नवनिर्मित सिंथेटिक टर्फ में महिला एशियन हाकी चैम्पियनशिप-2026 के मैचेस खेले जा रहे हैं। इस चैंपियनशिप में 6 एशियाई देशों- भारत, चीन, जापान, मलेशिया, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया की महिला हाकी टीमें अपना प्रदर्शन कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वयं 22 नवम्बर को मैदान में मैच देखा और खेल का आह्लाद महसूस किया। उन्होंने बताया कि भारतीय टीम ने अपने शुरुआती दोनों मैच जीत कर शानदार बढ़त बना ली है। खचाखच भरे स्टेडियम में दर्शकों का उत्साह भी हर रोज चरम पर दिखाई दे रहा है। मध्यप्रदेश में खेलों की दृष्टि से ये स्वर्णयुग का आगमन है।

मेला संस्कृति मेलमिलाप और व्यापार बढ़ाने का जरिया: मुख्यमंत्री डॉ.यादव



मुख्यमंत्री ने किया भोपाल उत्सव मेला 2026 का शुभारंभ

भोपाल। राजधानी भोपाल में उत्सव मेले की शुरूआत हो चुकी है। इसके साथ ही यहां लोगों की भीड़ बढ़ने लगी है। गत दिवस मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मेला संस्कृति अनजानों के बीच मेलमिलाप बढ़ाने का जरिया है। मेलों से ही मनुष्य को एहसास होता है कि वह अकेला नहीं है। यही नहीं मेलों के माध्यम से व्यापार-व्यवसाय को भी बढ़ावा मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव दशहरा मैदान, तात्या टोपे नगर में भोपाल उत्सव मेला -2026 के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेले के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक परम्पराओं को भी कायम रखने का प्रयास करें। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के लिए भी मेले सशक्त माध्यम हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल उत्सव मेले के व्यवस्थित आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रारंभ में भगवान गणेश की वंदना कर, दीप प्रज्ज्वलित कर और आकाश में गुब्बारे छोड़कर भोपाल उत्सव मेले का शुभारंभ किया। मेले में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, विधायक भगवान दास सबनानी, भोपाल उत्सव मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल,प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, ब्रजगोपाल लोहिया ,रवि गगरानी, डॉ.महेश गुप्ता, प्रकाश खंडेलवाल, योगेन्द्र मुखरैया, समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी, अविनाश कुदेसिया, सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में मेले में आए नागरिक उपस्थित थे। प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से मनमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री डॉ.यादव और अन्य अतिथियों का स्वागत किया।



राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने लोकभवन में आए भारत स्काउट एवं गाइड मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों को सहयोग राशि प्रदान की। राज्यपाल को भारत स्काउट एंड गाइड की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

ट्रक से टकराई तेज रफ्तार बोलेरो,सेना के जवान सहित तीन की गई जान

अनूपपुर जिले का मामला,शादी में शामिल होने छुट्टी पर आ रहा था जवान



भोपाल। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में शादी में शामिल होने के लिए छुट्टी लेकर घर लौट रहे सेना के जवान और उसके सगे भाई समेत तीन लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। सोमवार तड़के तेज रफ्तार बोलेरो छूलहा गांव के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में मृतकों में बोलेरो का मालिक भी शामिल है। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। हादसा सोमवार सुबह करीब 4 बजे जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के छूलहा गांव के पास हुआ। बोलेरो की रफ्तार तेज होने के कारण वह सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन में सवार तीन लोगों की जान चली गई। मृतकों की पहचान दीनबंधु विश्वकर्मा (36), विनीत विश्वकर्मा (26) और मोहम्मद करीम (32) के रूप में हुई है। विनीत सेना में जवान था और अपने दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए छुट्टी लेकर घर लौट रहा था। वहीं, घायल राजू तिवारी (30), पिता सुरेश तिवारी, धनगवां का निवासी है। उसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद मृतकों के परिजन जिला अस्पताल स्थित पुलिस सहायता केंद्र पहुंचे। विनीत के पिता जयकरण विश्वकर्मा ने बताया कि उनका सबसे छोटा बेटा सेना में जवान था। वह दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए छुट्टी लेकर घर आ रहा था। शादी छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में होनी थी। जयकरण ने बताया कि विनीत रात करीब 3 बजे ट्रेन से पहुंचा था। इसके बाद वह घर लौटने के लिए निकला। उसके साथ बड़ा भाई दीनबंधु और दोस्त राजू तिवारी भी थे। छूलहा गांव के पास बोलेरो किस तरह ट्रक से टकराई,इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे फोन कर हादसे की सूचना दी। इसके बाद परिवार के लोग घटनास्थल और जिला अस्पताल पहुंचे। परिवार की आजीविका का सहारा भी हादसे ने छीन लिया है।

भोपाल के ऐशबाग जनता क्वार्टर में 599 मकानों पर चला बुलडोजर

10 पोकलेन सहित सैकड़ों कर्मचारी और पुलिसकर्मी रहे तैनात

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के ऐशबाग क्षेत्र में सोमवार को जर्जर मकानों और अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की गई। भोपाल के ऐशबाग स्थित जनता क्वार्टर में 599 जर्जर ई डब्ल्यू एस आवासों को ध्वस्त किया जा रहा है। वहीं, इंदौर की एमआर-10 स्थित कृष्णबाग कॉलोनी में भी 62 मकानों को हटाने के लिए प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम मैदान में उतरी है। भोपाल में कार्रवाई के लिए 10 पोकलेन मशीनें लगाई गई हैं, जबकि मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अमला तैनात है। ऐशबाग स्थित जनता क्वार्टर में सोमवार सुबह से ही मकान तोड़ने की कार्रवाई जारी है। प्रशासन बुलडोजर और 10 पोकलेन मशीनों की मदद से 599 जर्जर ईडब्ल्यूएस आवासों को ध्वस्त कर रहा है। मौके पर चार एसडीएम, 10 तहसीलदार सहित सैकड़ों कर्मचारी और पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। रविवार शाम से ही इलाके में बैरिकेडिंग कर दी गई थी। जनता क्वार्टर की ओर आने-जाने वाले रास्ते बंद कर दिए गए हैं और यातायात को दूसरे मार्गों से डायवर्ट किया गया है। प्रशासन की कार्रवाई से क्षेत्र के कई परिवार प्रभावित हो रहे हैं। कार्रवाई से पहले कई रहवासियों ने खुद ही अपने निर्माण हटाने शुरू कर दिए थे। लोगों ने मकान खाली कर सामान बाहर निकाल लिया था। हाउसिंग बोर्ड ने रहवासियों को 13 नवंबर तक मकान खाली करने और अपना सामान हटाने का अंतिम नोटिस जारी किया था। इसके बाद 14 नवंबर से कार्रवाई प्रस्तावित थी, लेकिन रहवासियों के विरोध और पुलिस बल की कमी के चलते इसे आगे बढ़ाना पड़ा। विरोध के दौरान तीन महिलाओं की तबीयत बिगड़ गई थी, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।



29 नवंबर को भोपाल में 11 बग्गियों के साथ निकलेगी 11 जोड़ों की भव्य बारात

कलार समाज की पहल,सामूहिक विवाह सम्मेलन बनेगा सामाजिक एकता की मिसाल



भोपाल। सामाजिक समरसता,सहयोग और समानता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से वरिष्ठ नागरिक मंच, कलार समाज भोपाल द्वारा आयोजित नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आगामी 29 नवंबर रविवार को एलएनसीटी यूनिवर्सिटी सभागार,जे.के.अस्पताल परिसर, कोलार रोड, भोपाल में आयोजित होने वाला यह आयोजन सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता का विशेष उदाहरण बनेगा। सम्मेलन में विवाह के लिए सभी जोड़ों का पंजीयन पूरा हो चुका है। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाले इस समारोह में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संस्कार संपन्न कराए जाएंगे। वरिष्ठ नागरिक मंच कलार समाज की इस पहल का उद्देश्य विवाह योग्य युवक-युवतियों को नए जीवन की शुरुआत के लिए सहयोग देना और परिवारों को विवाह के अनावश्यक आर्थिक बोझ से राहत प्रदान करना है। आयोजन की अध्यक्ष श्रीमती कल्पना आई.डी.राय के नेतृत्व में मंच के पदाधिकारी एवं सहयोगी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। समाज के विभिन्न क्षेत्रों से स्वजातीय बंधु और परिवार इस आयोजन में सहभागी बनेंगे। सामूहिक विवाह समारोह का सबसे आकर्षक दृश्य बारात चल समारोह होगा। इसमें 11 बग्गियों को विशेष रूप से सजाया जाएगा, जिनमें दूल्हे पारंपरिक अंदाज में सवार होकर बारात की शोभा बढ़ाएंगे। बारात में दूल्हा-दुल्हन के परिजन, रिश्तेदार और समाजबंधु शामिल होंगे। कलचुरी सेना परिवार के सदस्य भी बारात में सहभागिता करेंगे। डीजे की धुन,ढोल-नगाड़ों की गूंज और बैंड-बाजे के बीच बारात उत्साहपूर्वक आगे बढ़ेगी। परिवारों के सदस्य और समाजबंधु संगीत की ताल पर नृत्य करते हुए खुशियां मनाएंगे। पारंपरिक वैवाहिक उत्सव और सामूहिक उल्लास से सजा यह चल समारोह सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण रहेगा। 11 बग्गियों में सजे दूल्हों की बारात सामाजिक एकता और उत्सवधर्मिता का अनूठा दृश्य प्रस्तुत करेगी। समारोह में अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के चांसलर जय नारायण चौकसे,मंच की संरक्षक श्रीमती पूनम चौकसे, मुख्य अतिथि भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय तथा विशिष्ट अतिथियों में भाजपा प्रदेश मंत्री सुश्री राजो मालवीय,पार्षद राजेश राय, तेलंगाना गौड संगम हैदराबाद के संस्थापक अध्यक्ष एवं वर्तमान अध्यक्ष लक्ष्मण राव पिल्लै गौड, प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता एवं गब्बर रिटर्न्स फेम सुमन तलवार (कर्नाटक),स्वामी श्री हीरानंद महाराज,स्वामी पूर्णानंद सरस्वती महाराज,संत विनोद शास्त्री (हाथरस) एवं निधि चौकसे,एसडीएम सहित अनेक गणमान्य अतिथि शामिल होंगे।